सुविचार
लक्ष्य के आधे रास्ते पर जाकर कभी वापस न लौटें, क्योंकि वापस जाने पर भी आधा रास्ता पार करना पड़ता है..!!

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 7, अंक-11 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 22 अप्रैल 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

समीक्षा और परिक्षा

ऐ शोषित समाज अपने
बुजुर्गो के जीवन की
समीक्षा तो कीजिए ?
संविधान बन जाने के
बाद तुम्हें क्या मिला
परीक्षा तो दीजिए ?
वर्ण व्यवस्था ने क्या
हालत बनाई थी ?
जीते जी शोषितों को
खुन के आंसू,रुलाई थी
उस समय के अन्याय
अत्याचार को सहने वाले
बड़े बुजुर्गो के दर्द
को याद तो कीजिए ?
ऐ शोषित समाज
अपने बुजुर्गो के पीड़ा
का अहसास तो कीजिए
संविधान से तुम्हें क्या
मिला उसकी
परीक्षा तो दीजिए
वंचितों को
शिक्षा और समानता
का अधिकार नहीं था
शोषित इंसान बने?
यह शोषकों को
स्वीकार नहीं था
शुद्ध अन्न खाने का ?
स्वच्छ वस्त्र पहनने का ?
उंचे मकान बनाने का ?
जुते पगडी धारण करने का?
राहो पर साथ गुजरने का ?
सवर्णों पर शुद्रो की
परछाई पडने का?
एक घाट एक बाट
पर चलने का?
स्वाभिमान से जीने का ?
कुंओ से पानी पीने का?
पीड़ितों को अधिकार नहीं था
सामंतो की सेवा करने का
जुठे अन्न फटे वस्त्र
शोषण सहना विरोध ना करना
शोषितों का कर्तव्य था
याद करके उन लम्हों को
अपने अपमान का
तुलना कीजिए
ऐ शोषित समाज
अपने बुजुर्गो के जीवन
का समीक्षा कीजिए
संविधान बन जाने के
बाद तुम्हें क्या मिला
परीक्षा तो दीजिए
याद कीजिए उन
सामाजिक क्रांति के
जन नायको को
तुम आज इस काबिल
जिनके बदौलत बने हो
खुन तुम्हारा खौल जायेगा
उन व्यवस्थाओं पर
जिनके तुम गुलाम बने हो
इन्ही मनुवादी व्यवस्था के
परिवर्तन का सपना
हमारे महापुरुषों ने देखा था
इन्ही आडंबर पाखंड
ऊंच-नीच भेदभाव को
उन्होंने उखाड़ फेका था
जिस रुढ़िवादी परंपरा
के आज हम शिकार हैं
यहीं हम सबके मनोविकार है
संविधान ने तुम्हें
इस लायक बनाया है
अफसोस तुम सबने
उन्ही आडंबरो को अपनाया है
अपने बुजुर्गो के दर्द
का अहसास तो कीजिए
ऐ शोषित समाज
अपने बुजुर्गो के जीवन
की समीक्षा तो कीजिए
संविधान बन जाने के
बाद तुम्हें क्या मिला
परीक्षा तो दीजिए।

-हरीश पांडल
विचार क्रांति

भूमि स्वामी निरीक्षण के समय भूमि से सम्बंधित दस्तावेजों तहसीलदार या पटवारी बताने से मना कर सकते हैं या नहीं जानिए/ MP Land Revenue Code,1959....।

प्रत्येक व्यक्ति की अपनी भूमि की सीमा निर्धारित की गई है एवं वह उतनी ही भी का उपयोग कर सकता है जितनी उसे अधिकार तौर पर प्राप्त होती है। सभी भूमि स्वामी के अपनी-अपनी भूमि के नक्शे,योजना चित्र एवं दस्तावेज तैयार किये जाते हैं। जब कोई राजस्व अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, पटवारी या नगर सर्वेक्षक या पुनः निरीक्षण करता है तब भू धारक का कर्तव्य हैं कि वह उपर्युक्त अधिकारी को संबंधित जानकारी उपलब्ध कराए एवं निरीक्षण में सहयोग प्रदान करे।

मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता,1959 की धारा 120 की परिभाषा- कोई भी भूमि स्वामी जो ग्रामीण या नगर क्षेत्र में किसी भी प्रकार की भूमि का मालिकाना हक रखता है उससे यह अपेक्षा की जाती है कि किसी पुनः निरीक्षण के समय भूमि से संबंधित सभी अधिकार प्राप्त दस्तावेज, नक्शा, योजना चित्र आदि को

निरीक्षण करने वाले राजस्व अधिकारी, निरीक्षक, पटवारी या नगर सर्वेक्षक को बताए एवं उपर्युक्त अधिकारियों का निरीक्षण में सहयोग प्रदान करे।

नोट- अगर कोई भू स्वामी नक्शा नहीं बताता है, भूमि संबंधित दस्तावेज नहीं देता है एवं योजना चित्र की रिपोर्ट नहीं देता है वह मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 120 का उल्लंघन करेगा।

भू धारक(स्वामी) को भूमि दस्तावेजो की प्रतिलिपि लेने का अधिकार- कोई भी भूमि स्वामी या आवेदनकर्ता को मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 256 के अनुसार निरीक्षण के बाद कभी भी नक्शे, भू-दस्तावेज,योजना चित्र आदि की समस्त प्रतिलिपियाँ जो भी फीस या भुगतान शर्त के बाद उपलब्ध करवाई जाएगी।

- लेखक बी आर.अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

किसी पुलिस अधिकारी से अपराध की जानकारी छुपाना कब दण्डनीय अपराध होगा जानिए/IPC.....।

दण्ड प्रक्रिया संहिता,1973 की धारा 40 की उपधारा (1) में यह स्पष्ट किया गया है कि ग्राम के सदस्य या ग्राम पदाधिकारी(कोटवार, मुक्कदम(पटेल) एवं ग्राम सभा) का कर्तव्य है कि वह ग्राम में होने वाले किसी भी अपराध की सूचना तुरंत नजदीक मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने में दे। इसी प्रकार आज की धारा उन सभी व्यक्ति पर लागू होती है जो किसी अपराध के गवाह है या जानते हुए किसी बात को किसी भी विभाग के अधिकारी या लोक-सेवक से छुपा रहे हैं या सही नहीं बता रहे हैं, ऐसे व्यक्ति को दण्डित करती है जानिए।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 176 की परिभाषा-?

जो कोई व्यक्ति किसी लोकसेवक या शासकीय अधिकारी से ऐसी बातों को छुपायेगा या लोप करेगा जिस बात की जानकारी देना उसका विधिक कर्तव्य है। ऐसा व्यक्ति धारा 176 के अंतर्गत दोषी होगा।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 176 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान?

इस धारा के अपराध किसी भी प्रकार से समझौता योग्य नहीं है यह असंज्ञेय एवं जमानतीय अपराध होते हैं,इनकी सुनवाई का अधिकार किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट को हैं। **सजा-** इस अपराध की सजा को दो भागों में बाँटा गया है

1. किसी लोकसेवक या शासकीय अधिकारी से सूचना या जानकारी छुपाने पर अधिकतम एक माह की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।
2. अगर कोई व्यक्ति किसी भी प्रकार की अपराधिक जानकारी होने के बाद उस घटना के तथ्यो को छुपाता हैं अधिकतम छः माह की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।
3. अगर कोई ग्राम पदाधिकारी किसी भी प्रकार की अपराधिक या किसी भी प्रकार जानकारी होने के बाद उस घटना के तथ्यो को छुपाता हैं अधिकतम छः माह की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश अलीगढ़)

दस दिन बाद प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या फिर 50 के पार

भोपाल। प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या बुधवार को 50 के ऊपर पहुंच गई। इसके पहले 11 अप्रैल को प्रदेश में कोरोना के 51 सक्रिय मरीज थे। अभी यह संख्या 58 है। इन सक्रिय मरीजों में 20 इंदौर में और पांच भोपाल में उपचाररत हैं। हालांकि अच्छी बात यह है कि इनमें एक छोड़ बाकी सभी मरीज होम आइसोलेशन में हैं। 14 संदिग्ध मरीजों का इलाज भी प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। प्रदेश में बुधवार को कोरोना के 15 मरीज

मिले हैं, इनमें नौ इंदौर के हैं। 7,771 सैंपलों की जांच में यह मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर भी बढ़कर 0.1 प्रतिशत हो गई है। यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग द्वारा गुरुवार को जारी हेल्थ बुलेटिन में सामने आई है।

ताकत

इंकलाब की ध्वजा लेकर ,
लोग मेरे गांव के।
विश्व बंधुत्व का सरोवर,
भरने लगे लोग मेरे गांव के।
ईर्ष्या की जंजीर तोड़ने लगे,
लोग मेरे गांव के
कुरुतियों का मकड़जाल,
साफ करने लगे लोग मेरे गांव के। नफरत के बागान उजाड़ने लगे,लोग मेरे गांव के।
प्रेम के सुमन बरसाने लगे,
लोग मेरे गांव के
धर्मनिरपेक्ष की कास्त,
उगाने लगे लोग मेरे गांव के।
शिक्षा का दीप जलाने लगे
लोग मेरे गांव के।
वर्ग भेद की बाढ़ रोकने लगे,
लोग मेरे गांव के।
संविधान की ताकत समझने लगे। लोग मेरे गांव के।

-अंशु कवि
नारायण मासाब

मध्य प्रदेश को बड़ा झटका, केंद्र ने 18 लाख टन गेहूं लेने से किया इन्कार

भोपाल। मध्य प्रदेश को समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के बीच बड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार ने पिछले साल खरीदा गया 18 लाख टन गेहूं लेने से इन्कार कर दिया है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) ने इसे अमानक पाया है। दरअसल, पिछले साल उपार्जन के समय बारिश हो गई थी, जिसमें गेहूं भीग गया था। किसानों को नुकसान न हो, इसलिए सरकार ने गेहूं खरीद लिया था। इसके लिए केंद्र सरकार से विशेष अनुमति भी ली गई थी लेकिन निर्धारित मापदंड उससे अधिक चमकविहीन गेहूं ले लिया गया, जो मान्य नहीं है। अब सरकार इस गेहूं को भी नीलाम करेगी। पिछले साल एक हजार 975 रुपये प्रति क्विंटल की दर से सरकार ने 128 लाख टन गेहूं का उपार्जन किया था। करीब 30 लाख टन गेहूं ऐसा था, जो चमकविहीन था। इसमें 12 लाख टन गेहूं तो एफसीआइ ने स्वीकार कर लिया लेकिन 18 लाख टन गेहूं लेने से इन्कार कर दिया। इसके पहले भी 2019-20 में खरीदे गए लगभग साढ़े छह लाख टन गेहूं लेने से मना कर दिया था। प्रतिवर्ष उपार्जन के लिए केंद्र सरकार द्वार लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। इसमें यह शर्त भी रहती है कि उपार्जन के पहले सरकार बोनस या प्रोत्साहन देने संबंधी कोई कदम नहीं उठाएगी क्योंकि इसका असर बाजार पर पड़ता है। कमल नाथ सरकार ने 160 रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की थी। इसे केंद्र सरकार ने बोनस माना और काफी विचार-विमर्श के बाद 67.25 लाख टन गेहूं सेंट्रल पूल में लेने के लिए तैयार हुई।

कल ही की तो बात है

अम्मा कल तुम अपने कमरे मे थी
तुम्हारा चश्मा सिरहाने पर पडा था
वो चाय का प्याला अभी वहीं पडा है
तुम्हारे कमरे का बल्ब भी धुंधला जल रहा है
शायद किसी ने बत्ती नही बुझाई होगी
वो खिड़की का एक पल्ला खुला है
बाहर जो पेड़ है उसकी डाली ;खिड़की
तरफ झुकी है ,उसमें बैठी चिड़िया
चीचीं करती तुमको ढूंढ रही है।
तुम्हारा सहारा छड़ी,जिसे टेक चलती थी
अब वह बेसहारा दीवाल पर टिका है ,
तुम्हारी आंचल के पल्लू पर दस रुपये
का सिक्का गंठा था जो किसी ने खोल लिए हैं।
शायद उतनी ही तुम्हारी जागीर थी
तुमने तो लुटा दिया था अपना सबकुछ
बेटे बेटियों की पढ़ाई -लिखाई और
बाबूजी की दवाई में।
अब जो कुछ बचा था तुम्हारे पास
ठठरी थी!
कौन भला सहेजता इस धरोहर को,
तुम्हारे जाने के बाद चील आंखों
ने कई बार टटोला होगा तुम्हारी सिरहाने को
तुम्हारी मैली -कुचैली पोटलियो को
तुम कहती थी दरवाजा बंद मत करना
आज समझ आया,ताकि तुम्हे जाने में दिक्कत न हो ,
नही कौन खोलता ,इस सडांध कोठरी का दरवाजा। तुमने जाग -जाग कर हमारी बचपन को सेया था हाथ जलाकर गरम तवे पर रोटियां पकाई थी
और कल भूखे -प्यासे ,बिन कुछ कहे चली गई।
ऐसे तो सूरज रोज ढ़लता है
पर आज आंखें सूरज सी ढ़ल गई अम्मा !

प्रकाश प्रियतम
त्यागी

भोपाल में वीवीआइपी के भ्रमण के दौरान आज बंद रहेंगे कुछ मार्ग

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शुक्रवार को राजधानी में भ्रमण के दौरान पुलिस ने ट्रैफिक के विशेष इंतजाम किए हैं। जंबूरी मैदान में सभा एवं सात नंबर बस स्टाप के पास भाजपा मुख्यालय पर रोड शो का आयोजन होगा। इसके लिए मार्ग परिवर्तित किए गए हैं।इंदौर तरफ से आने वाले समस्त प्रकार के बस वाहन खजूरी सड़क, बकानिया डिपो होते हुए मुबारकपुर, लांबाखेड़ा, चौपड़ा कला, पटेल नगर बायपास, आनंद नगर से जंबूरी मैदान कट पाइंट का उपयोग करते हुए बस, पार्किंग स्थल में पार्क करेंगे। राजगढ़ (ब्यावरा) की ओर से कार्यक्रम में भाग लेने वाले समस्त प्रकार के बस वाहन मुबारकपुर जोड़, लांबाखेडा जोड़, चौपड़ाकला जोड़, पटेल नगर बायपास, आनंद नगर से जंबूरी मैदान कट पाइंट का उपयोग करते हुए बस पार्किग में पार्क करेंगे। सागर/रायसेन की तरफ से आने वाले समस्त वाहन पटेल नगर चौराहा से आनंद नगर पहुंचेंगे एवं जंबूरी मैदान में बायीं ओर मुड़कर बस पार्किग में पार्क करेंगे।

कंजर समुदाय का जाति प्रमाण पत्र बनवाने हेतु डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे को सौंपा ज्ञापन सामाजिक कार्यक्रम अंबेडकर जयंती समारोह में पधारी थी मैडम

भोपाल। जिला की तहसील बैरसिया में सामाजिक कार्यक्रम में पधारी डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे को रामबाबू जाटव और विजयराम कंजर के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा ग्राम ढेकपुर करारिया के कंजर समाज उर्फ बिजोरी जाति प्रमाण पत्र तहसील कार्यालय द्वारा जाति प्रमाण पत्र नही बना रहे जबकि ग्राम ढेकपुर करारिया ग्राम आज से लगभग 50/60 वर्ष से एक ही स्थान पर निवास कर रहे है एवं राजस्व रिकॉर्ड में ग्राम करारिया वा ढेकपुर के कृषको को कंजर समुदाय का उल्लेख है जबकि कंजर समाज अपराधों के प्रति कुछ समाज के

लोग लिप्त रहते थे इसी कारण पुराने लोगों के द्वारा पुलिस से बचने के लिए उपजाति बिजोरी रख लिया गया था जबकि राजस्व रिकार्ड में अनुसार कंजर समाज प्रमाण विवरण मिलता है विजय राम कंजर ने बताया यह की हमारी समाज का जाति प्रमाण पत्र नही बनने के कारण हमारी समाज को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है और हमारे बच्चो की पढ़ाई लिखाई में भी कई समस्याएं आती है जिसके अभाव में हमारी समाज के बच्चे पढ़ लिख कर एक सभ्य समाज का हिस्सा नहीं बन पा रहे। छात्रों का जाति प्रमाण पत्र न होने के कारण छात्रावास में प्रवेश नही मिल पा रहा है जिस कारण से हमारी समाज का जाति प्रमाण पत्र बनवाया जावे जिससे की हम लोग भी मुख्यधारा से जुड़ सके । अगर हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम सब तहसील कार्यालय का भारी संख्या में घेराव करेंगे उसकी जबाबदारी शासन प्रशासन की होगी इस मौके पर रामबाबू जाटव विजयराम कंजर मैनेजर कंजर राजकुमार कंजर विशाल कंजर सुरजीत जाटव राजन जाटव राजकुमार अहिरवार गजराज अहिरवार हर्ष कंजर अशोक सूर्यवंशी लोग मौजूद रहे।

एक ओर माओवादियों का जनविरोधी चेहरा, दूसरी ओर सुरक्षा बलों का मानवीय चेहरा

छत्तीसगढ़। बस्तर क्षेत्र में अक्सर विकास विरोधी एवं जनविरोधी विचारधारा वाले माओवादियों द्वारा आम जनता के लिये सबसे उपयोगी सड़कों को काटकर नुकसान पहुंचाया जाता है, जिससे ग्रामीणों को आपातकाल में चिकित्सा की स्थिति में एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती, जिससे सही समय में अस्पताल नहीं पहुंच पाने के कारण कई बार आम जनता को जान गंवाने तक की नौबत आ जाती है। एक ओर जहां बस्तर क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बल लगातार माओवादियों के विरूद्ध कार्यवाही कर रही है, वहीं दूसरी ओर लगातार विभिन्न अवसरों पर आम जनता की सहायता एवं सेवा करने से भी पीछे नहीं हट रही है।

बस्तर क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बल द्वारा विभिन्न अवसरों पर आम जनता तक पहुंचकर कभी चिकित्सा सेवा, कभी राशन, कपड़े एवं अन्य प्रकार से सहायता पहुंचा रही है। इसी प्रकार की एक घटना कारित करते हुये माओवादियों द्वारा जिला दन्तेवाड़ा अंतर्गत ग्राम रेवाली की सड़क को कई जगह से काट दिया गया था, जिससे वाहनों का आवागमन बाधित था। इसी बीच ग्राम रेवाली पटेलपारा निवासी गर्भवती श्रीमती कूर्म नंदे पति कूर्म देवा, उम्र 35 वर्ष को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई और वह दर्द से तड़पने लगी। परिवार वालों ने एम्बुलेंस को फोन किया पर माओवादियों द्वारा सड़क काट दिये जाने के कारण एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पा रही थी। महिला की स्थिति गंभीर होता देख उनके परिवार वाले गर्भवती महिला को खाट में लेकर अस्पताल हेतु रवाना हुये ही थे, कि रास्ते में डीआरजी बल के जवानों ने महिला को खाट में उठाकर ले जाते हुये देखा। जवानों द्वारा तत्काल मानवता का परिचय देते हुये मौके से गर्भवती महिला को खाट में अपने कंधों पर उठाकर मुख्य मार्ग तक लाया गया एवं अपने गश्त वाहन में बैठाकर तत्काल पालनार स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। स्वास्थ्य केन्द्र में महिला ने एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया। डीआरजी बल द्वारा गर्भवती महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाने से महिला को चिकित्सा मिलने पर महिला एवं नवजात शिशु दोनों की जान बचाई जा सकी। महिला के परिवार व ग्रामीणों ने डीआरजी बल की सराहना करते हुये कहा कि मुश्किल की इस घड़ी में पुलिस ने उनकी मदद कर अस्पताल पहुंचाया, जिससे महिला का प्रसव आसानी से करवाया जा सका और माता व बच्चे दोनों सकुशल हैं। उन्होंने दन्तेवाड़ा डीआरजी बल का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया। श्री सुन्दरराज पी., पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज द्वारा बताया गया कि विगत लगभग 04 दशकों से प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी सीपीआई माओवादी संगठन द्वारा मात्र अपने वर्चस्व को बचाकर रखने के लिये क्षेत्र की जनता को लगातार सड़क, पुल-पुलिया, बिजली आपूर्ति, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सेवा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखने के लिये कोशिश की जाती है। माओवादियों की साजिश को विफल करते हुये क्षेत्र की जनता के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु बस्तर पुलिस एवं क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों द्वारा अपने जान को भी जोखिम में डालकर जनहित में समर्पित होकर लगातार कार्य किया जा रहा है। हमें विश्वास है कि क्षेत्रवासियों की मंशानुरूप आगामी समय में बहुत जल्दी बस्तर क्षेत्र में माओवादी संगठन का खात्मा होकर शांति व्यवस्था स्थापित होने के साथ-साथ क्षेत्र को एक नई पहचान मिलेगी।

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म की जड़ें मध्यप्रदेश में हो रही मजबूत

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन सम्पूर्ण भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के कई देशों में अपने पैर पसार चुका है। ज्ञातव्य हो कि मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश उपाध्यक्ष सेवदार अतरसिंह भारतीय की शानदार पहल से प्रातः स्मरणीय परम पूज्य संत स्वामी निरंजनदास जी महाराज एवं परम पूज्य संत श्रद्धेय स्वामी सुखदेव बागमारे जी महाराज राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के आशीर्वाद से संत श्री मोहनदास जी महाराज एवं संत श्री गणेश दास जी महाराज के सानिध्य में दिनांक 13 अप्रैल 2022 को ग्राम कैलकच्छ, तहसील उदयपुरा, जिला रायसेन मध्यप्रदेश में श्रद्धेय फूलसिंह अहिरवार जी के सु-पुत्र आयुष्मान रामस्वरूप अहिरवार का लग्न श्रद्धेय भाईजी लोंगरे जी की सु - पुत्री आयुष्मति वर्षादेवी ग्राम दमदम, पोस्ट सनखेड़ा, तहसील इटारसी, जिला नर्मदापुरम मध्यप्रदेश से संपन्न कराया। चूंकि विवाह संस्कार रविदासिया धर्म से अपेक्षाकृत बहुत सस्ता, सहज, सरल और सारगर्भित रूप से धार्मिक ग्रंथ अमृतवाणी के अनुसार रस्म अदायगी कर संपन्न कराया

जाता है। जिससे समाज अनावश्यक खर्च से बच जाता है और धार्मिक अंधविश्वास एवं पाखंड से भी बच जाता है। अंत में प्रदेश उपाध्यक्ष श्रद्धेय भारतीय ने दोनों पक्षों को अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन भारत की मध्यप्रदेश इकाई की ओर से दोनों पक्षों को बधाई और शुभकामनाएं दीं तथा आरती एवं अरदास अदा की।

परिसंघ असंगठित कामगार प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया ने श्रमिक आर्थिक सहायता के लिए प्रदेश आयुक्त से मिले

मूलचन्द मेधोनिया सहसंपादक कबीर मिशन समाचार पत्र भोपाल एवं प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ भोपाल

भोपाल। मध्यप्रदेश असंगठित कर्मकार एवं संनिर्माण मंडल के द्वारा श्रमिकों को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभ दिये जाते है। मजदूरों के बच्चों को पढ़ने से लेकर शादी के लिए भी सहायता शासन के द्वारा सभी वर्गों को दी जाती है। जिला नरसिंहपुर तहसील गाडरवारा के नगर पंचायत चीचली में श्रीमती मालती बाई एक श्रमिक सामान्य जाति की पंजीकृत मजदूर महिला है। जिसके पति नगर से बाहर कभी दिल्ली, बम्बई कभी अन्य शहरों में जाकर तिहाड़ी दैनिक मजदूरी का काम करते थे। जो कि माह मार्च में अपनी बीबी मालती बाई को नगर चीचली से साथ लेकर काम करने जा रहे थे। जो कि काम स्थल जाने के

पूर्व उत्तरप्रदेश के गांव में ही मौत हो गई। जिसे मध्यप्रदेश शासन की मजदूर सहायता योजना के तहत मृतका की पत्नी मालती बाई को अपने पति के दाह संस्कार के लिए आर्थिक सहायता राशि दी जा चुकी है। लेकिन मृत्यु पश्चात दी जाने वाली आर्थिक सहायता के लिए नगर पंचायत चीचली द्वारा भटकाया व परेशान किया जा रहा है। आवेदिका ने अनुसूचित जाति जनजाति के अखिल भारतीय परिसंघ भोपाल के असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया को सम्पूर्ण दस्तावेज सहित आवेदन पत्र दिया। परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष कामगारों के लिए सतत कार्य करने वाले मूलचन्द मेधोनिया ने आज दिनांक 21 अप्रैल 2022 को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को शीघ्र सहयोग सहायता के लिए एवं मध्यप्रदेश के असंगठित संनिर्माण कर्मकार भवन निर्माण मंडल की आयुक्त श्रीमती नीलिमा जी से भेंट कर आवेदिका को मृत्यु के पश्चात दी जाने वाली सहायता के लिए परिसंघ के माध्यम से पत्र लिख कर शीघ्र सहायता देने की मांग की है। अनुसूचित जाति जनजाति अखिल भारतीय परिसंघ भोपाल द्वारा मूलचन्द मेधोनिया को श्रमिकों की सराहनीय सेवाओं के लिए प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। मूलचन्द मेधोनिया के द्वारा श्रमिकों की सेवा पर असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ के मुकेश अहिरवार, राजकुमार रत्नाकर, गोतम नागदवने, विनोद कुमार, बलवान सिंह कुशवाहा, शोकत अली, बबलू सिंघानिया, चन्दभान खेमरे, कौशल अहिरवार इत्यादि वरिष्ठ पदाधिकारी और सम्मानित सदस्यों ने मूलचन्द मेधोनिया की पहल पर आभार प्रकट किया है। तथा अपेक्षा की गई है कि आप मजदूरों की लगन, निष्ठा के साथ सेवा करते रहे।

सभी साथियों को क्रांतिकारी जय भीम आप सभी को सूचित किया जाता है

बहुजन आइकॉन युवा हृदय सम्राट बड़े भाई चंद्रशेखर आजाद जी दिनांक 24 अप्रैल 2022 को रायसेन जिले की धरती सांची से निकलते हुए सागर जा रहे हैं भाई चंद्रशेखर आजाद जी के भव्य स्वागत के लिए आप सभी जोर शोर से तैयारी करें और अधिक से अधिक संख्या में 24 अप्रैल को सुबह 11: 00 बजे सांची पहुंचे

जिलाध्यक्ष रायसेन
जीतेन्द्र मूलनिवासी
मो 8461044272
गब्बर सिंह
जिलाध्यक्ष विदिशा

नवनिर्माणाधीन चौक और फव्वारा चौक का किया निरीक्षण

प्रेमाबाग तालाब के सौंदर्यीकरण पर कलेक्टर के निर्देश, शहर वासियों को मिलेगी मनोरंजन एवं समय बिताने के लिए अच्छी सुविधा सी-मार्ट का कलेक्टर एसपी ने किया निरीक्षण, समूहों द्वारा निर्मित 200 से ज्यादा उत्पाद होंगे उपलब्ध

कोरिया। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को बैकुंठपुर शहर में विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने बैकुंठपुर में निर्माणाधीन सी-मार्ट का निरीक्षण किया। सी-मार्ट में जिले के विभिन्न स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित 200 से भी ज्यादा उत्पाद उपलब्ध होंगे। उन्होंने यहां उत्पादों का अवलोकन किया और विक्रय के ऑनलाइन सिस्टम का जायजा लिया। इस दौरान एसपी श्री प्रफुल्ल ठाकुर व सीईओ जिला पंचायत श्री कुणाल दुदावत भी मौजूद रहे। इसके बाद कलेक्टर ने शहर के मुख्य स्थल पर निर्माणाधीन नवीन चौक का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने चौक की दीवार की ऊंचाई को कम करने के निर्देश दिए जिससे चारों ओर से आने वाले वाहनों को आवागमन

में सुविधा रहे। इसी तरह फव्वारा चौक का निरीक्षण कर कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी बैकुंठपुर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इसके बाद कलेक्टर ने प्रशासनिक अमले के साथ प्रेमाबाग तालाब पहुंचकर तालाब एवं उद्यानिकी सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना पर चर्चा की। कलेक्टर ने सीएमओ को पाथ वे और वॉक वे में सुधार कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सघन निरीक्षण करते हुए कहा तालाब एवं पार्क क्षेत्र के सौंदर्यीकरण से शहर वासियों को मनोरंजन एवं समय बिताने के लिए अच्छी सुविधा मिलेगी। उन्होंने प्रवेश द्वार पर तालाब का नाम उल्लेख करने के निर्देश दिए। प्रवेश द्वार के बायीं ओर चौपाटी और दाहिनी ओर योगा आसान को चित्रित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएमओ को तालाब क्षेत्र की सफाई और फूलदार पौधे लगाने के निर्देश दिये।उन्होंने एसडीएम बैकुंठपुर को अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए।

महामानव बाबासाहेब 14 अपैल जयंती संयुक्त रूप रैली के माध्यम के मनाया गया

भोपाल। महामानव बाबासाहेब 14 अपैल जयंती संयुक्त रूप रैली के माध्यम के मनाया गया आज समता बुद्ध विहार समिति एवं समस्त सामाजिक संगठन संयुक्त मोर्चा,जय भीम सामाजिक संगठन ने बोधिसत्व विश्वरत्न डॉक्टर बी आर अंबेडकर जी की 131 जयंती के पर बाबा साहेब की प्रतिमा में पहुँचकर मालार्पण कर शहर के चिन्हित मार्गो संयुक्त रूप से वाहन रैली निकालकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रुप से जय भीम सामाजिक संगठन जिला अध्यक्ष शिवम पहाड़े,पारस वंशकार,नितिन डेहरिया, नितिन अहिरवार,सागर परतेती, दिलीप अहिरवार,पप्पू मंडराह,राहुल डेहरिया,गनपत यदुवंशी, दिनेश इवनाती, जितेंद्र डेहरिया,बंटी मंडराह,जित्तू वंशकार, ललित चोरे,संजय वॉक्सर, जितेन्द्र अहिरवार, देवकरण पहाड़े,मदन बरखाने, सुनील बरखाने,रोहित मालाधारी, राजा गुनहरे, बंटी बघेल,गोलू रोड़े, अजय करोलिया, रणजीत रंगारे,कृष्णा सागर उइके सुरेंद्र उइके आशुतोष उइके शेखर परतेती शिवम उइके विकी डेहरिया ,जित्तू बनस्कर संजय बंदेवर संगीत परतेती अशोक कुमार मिनोटे,सहित भीम सैनिक उपस्थित रहे।

जन आवाज मंच के संगठन विस्तार को लेकर चल रहे विस्तारक बैठकों के क्रम में रीवा, शहडोल, व सागर संभाग की बैठकों व संगठन गठन के बाद जबलपुर संभाग के कटनी जिले के विभिन्न स्थानों में व रीठी ब्लॉक में कार्यालय प्रभारी गोविंद सिंह लोधी द्वारा बैठक कर की गई जिसमें सभी ब्लॉकों में संगठन विस्तार हेतु रणनीति तैयार की गई जिसमें अनेकों सक्रिय सक्रिय साथी शामिल हुए संगठन निर्माण में अपने अपने सुझाव दिए एवं कर्मचारियों के मुद्दों को लेकर चर्चा की गई मीटिंग को सफल बनाने में सभी सदस्यों को धन्यवाद। ज्ञापित किया गया टीम

-(आई टी सेल)जन आवाज मंच भोपाल

मुख्यमंत्री के डॉक्टरों द्वारा जेनरिक दवाइयां लिखे जाने के निर्देश के पालन में कलेक्टर ने किया मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण

ब्रांडेड दवाइयों के प्रिस्क्रिप्शन मिले, चार डॉक्टरों को नोटिस

कोरिया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के द्वारा गत दिनों सभी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों द्वारा जेनरिक दवाइयां लिखे जाने के निर्देश दिए गए थे, उन्होंने ब्रांडेड दवाइयां लिखने वाले डॉक्टरों पर कड़ी कार्रवाई किए जाने के भी निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में सीएमएचओ तथा सिविल सर्जन को कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री शर्मा ने आज जिला अस्पताल सहित मेडिकल स्टोर का निरीक्षण कर पिछले 2 दिनों में डॉक्टरों द्वारा लिखी गई पर्चियों की जांच की। उन्होंने सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा जेनरिक दवाइयों की बजाए ब्रांडेड दवाइयां लिखी जाने पर नाराजगी जताते हुई मेडिकल कोड ऑफ कंडक्ट की तहत चार डॉक्टरों को नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि पुनः इस प्रकार की स्थिति पायी जाने पर डॉक्टरों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री शर्मा ने सीएमएचओ तथा सिविल सर्जन को औषधि निरीक्षक के साथ संयुक्त रूप से टीम गठित कर निरन्तर जांच कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने नगरीय प्रशासन और आवास पर्यावरण विभागों की बैठक में बीते सोमवार को अफसरों को निर्देश दिए थे कि सरकारी डॉक्टरों ने अगर ब्रांडेड दवा लिखी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देश पर सड़कों पर लग रही सब्जी मंडी अब फुटकर सब्जी मंडी में लगेगी

अनूपपुर। अनूपपुर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने अनूपपुर नगरपालिका क्षेत्र के फुटकर सब्जी मण्डी दुकानों को मार्ग से हटाकर मण्डी समिति द्वारा बनाए गए चबूतरे में शिफ्ट करने के संबंध में पूर्व बैठक में दिए गए निर्देश की समीक्षा की, जिस पर नगरपालिका व मण्डी के अधिकारियों ने बताया कि सब्जी मण्डी क्षेत्र में बने चबूतरों में सड़कों पर लगने वाले फुटकर सब्जी दुकानों को शिफ्ट किया जाएगा, जिससे राहगीरों को मार्ग में किसी तरह का व्यवधान न हो और साफ-सफाई भी बनी रहे। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने नगरपालिका एवं मण्डी के इस कार्य की सराहना की तथा मण्डी एवं नगरपालिका के अधिकारियों को तत्काल ही फुटकर सब्जी मण्डी दुकानों को चबूतरे में शिफ्ट करने के कार्य को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरपालिका को राजस्व वसूली से प्राप्त स्त्रोत से सब्जी मण्डी क्षेत्र की साफ-सफाई

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशों का नगरपालिका अनूपपुर ने क्रियान्वयन करना प्रारंभ कर दिया।मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ज्योति सिंह के निर्देश के बाद स्वच्छता निरीक्षक डी.एन. मिश्रा,राजस्व निरीक्षक गौरव सिंह बघेल, शंकर बाबू सहित समस्त नगरपालिका का स्टाफ एवं मंडी सचिव फुटकर सब्जी मंडी स्थल पहुंचकर नाम जोख कर सड़कों पर लग रही दुकानदारों को समझाइश देकर शिफ्ट करने के निर्देश दिए।सभी दुकाने दो-चार दिन में शिफ्ट कर दी जाएंगी।ज्ञातव्य हो कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आशीष त्रिपाठी ने भी इस संबंध में अपनी आवाज बुलंद की थी निश्चित ही उनकी आवाज के बाद कार्यवाही प्रारंभ हुई और निश्चित ही सड़कों पर हो रहा आवागमन जो बाधित हो रहा था वह सब्जी मंडी शिफ्ट होने के बाद नहीं होगा।

हिंदी का सम्मान आजादी की दूसरी लड़ाई है

कवि संगम त्रिपाठी

जबलपुर। आजादी के बाद भी हमारी भाषा संस्कृति गुलाम है और जिसकी भाषा संस्कृति गुलाम हो वो शारीरिक रूप से भले ही आजाद हो पर मानसिक रूप से गुलाम ही रहेगा और हम आज भी अंग्रेजियत के गुलाम हैं। प्राथमिक शिक्षा अंग्रेजी की आज मंहगी हो गई है जिसका मूल कारण हमारी मानसिक गुलामी है।आज हर व्यक्ति अपने बच्चे को अच्छे अंग्रेजी स्कूल में पढ़ाना चाहता है और अपनी कमाई का अच्छा खासा हिस्सा खर्च कर देता है।जिन बच्चों के माता पिता अंग्रेजी भाषा नहीं जानते हैं उन बच्चों का भविष्य शून्य हो जाता है और उल्टा कोचिंग सेंटर व प्राइवेट ट्यूशन वाले भी शोषित करते हैं। आज हिंदी माध्यम में शासकीय स्कूल चल रहे है वो भी मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम संचालित कर शिक्षा को मूलतः समाप्त कर सिर्फ राग अलापने व ढिंढोरा पीटने का कार्य कर रहे है। निजी हिंदी माध्यम स्कूल अपने अस्तित्व को बचाए रखने हेतु संघर्षरत है। बड़े ही गर्व से आजादी के पचास साल को स्वर्ण जयंती के रूप में व पचहत्तर साल को अमृत महोत्सव के रुप में हम मना रहे है पर आज तक अपने देश को एक नाम एक शिक्षा व एक भाषा नहीं दे पाए तो आत्मनिर्भरता की बात कहां तक सही है। आज हम देशप्रेमी बनकर सच्चे मन से सारे भेदभाव मिटाकर हिंदी के प्रचार-प्रसार का कार्य करें जिससे आजादी की सार्थकता को सिद्ध कर विकास की ऊंचाइयों को छू सकें। इसी उद्देश्य से प्रेरणा हिंदी प्रचारणी सभा का गठन किया गया है जिसमें देश के हर क्षेत्र से हिंदी मनीषी जुड़ कर कार्य कर रहे हैं।

थाना प्रभारी केल्हारी जवाहरलाल गायकवाड़ निरीक्षक को महानिदेशक के हाथों मिला प्रशस्ति पत्र।

कोरिया/ केल्हारी। कोरिया जिले के एकमात्र पुलिस अधिकारी निरीक्षक जवाहरलाल गायकवाड़ को डी एम अवस्थी महानिदेशक,राज्य पुलिस अकादमी,चन्द्रखुरी,रायपुर(छग) के हाथों प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार धर्मांतरण एवं साम्प्रदायिक मामले पर प्रशिक्षण हेतु जिले के पुलिस कप्तान श्री प्रफुल्लकुमार ठाकुर ने जिले भर से एकमात्र थाना प्रभारी केल्हारी जवाहरलाल गायकवाड़ निरीक्षक को चयन कर राज्य पुलिस अकादमी चन्द्रखुरी,रायपुर भेजा गया था। नवपदस्थ थाना प्रभारी केल्हारी जवाहरलाल गायकवाड़ निरीक्षक ने नेता जी सुभाषचन्द्र बोस,राज्य पुलिस अकादमी,चन्द्रखुरी,रायपुर(छग)में दिनांक- 11अप्रैल 2022 से 13अप्रैल 2022 तक आयोजित कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त किये। उक्त प्रशिक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने एवं सहभागी बनने पर थाना प्रभारी केल्हारी जवाहरलाल गायकवाड़ को महानिदेशक,राज्य पुलिस अकादमी,डी एम अवस्थी ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उज्जवल भविष्य की कामना की।वहीं केल्हारी क्षेत्र में इस खबर से हर्ष व्याप्त है।हलांकि वर्तमान में धर्मान्तरण जैसे अपराधिक कार्य केल्हारी थाना क्षेत्र में देखने को नही मिल रहा है।

अनूपपुरः पिछड़ों दलितों के हर समस्याओं को कानूनी लड़ाई लड़कर न्याय व हक अधिकार दिलाना बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि है

अनूपपुर। आज के इस कार्यक्रम में भी अनुसूचित जनजाति साथियों के समस्याएं जो आई जैसे सफाई कामगारों के ठेके में न्यूनतम वेतनमान व अन्य सुविधाएं ना मिलना , साथ ही सरकार के नियमानुसार असंगठित क्षेत्रों के मजदूर के मेडिकल बीमा , जी पी एफ कटौती का खाता ना प्रदान करना अन्य सभी शिकायतों का निराकरण प्रदेश व केन्द्र सरकार से दिलाने की लड़ाई आप सभी के सहयोग से संघर्ष कर न्याय दिलाया जाएगा उक्त उद्गार भारतीय जनता पार्टी के पुर्व प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक रामलाल रौतेल ने मुख्य अतिथि के रुप अपने उद्बोधन में व्यक्त किया दिनांक 14 अप्रैल 2022 को भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी की 131 वीं जयंती समारोह अनूपपुर वार्ड नंबर 2 के महात्मा गांधी वार्ड में सफाई मजदूर संघ अनूपपुर एवं अनुसूचित जनजाति संयुक्त संगठन के द्वारा

आयोजित किया गया मंचीय कार्यक्रम के बाद बाबा साहेब की विशाल शोभा यात्रा शहर में निकाली गई जो रेलवे अनुसूचित जनजाति कार्यलय में समाप्त हुई।

बाबा साहेब की जयंती के अवसर महात्मा गांधी वार्ड 2 में सामुहिक भोज का कार्यक्रम में सभी समाज के लोग शामिल हुए , कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष व छत्तीसगढ़ प्रभारी रामलाल रौतेल , कार्यक्रम के अध्यक्ष अमर महतेल भारतीय मजदूर संघ सफाई कामगारों के प्रदेश अध्यक्ष , विशिष्ट अतिथि ताराचंद यादव प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भारतीय मजदूर संघ , नवभारत के जिला ब्युरो चीफ चैतन्य मिश्रा , रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के संयुक्त महामंत्री लक्ष्मण राव , डाक्टर एस बी चौधरी , ने भी सभा को संबोधित किया कार्यक्रम में पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम चौधरी , ओमप्रकाश चौधरी , रमेश चौधरी , मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक रेलवे धर्मवीर सिंह , कार्यक्रम के आयोजक भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय चौधरी एवं सफाई कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष अजय चौधरी , कार्यक्रम के संचालक सुमित बक्सरिया , न. पा. सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दिनेश जी , अभिषेक मलिक , समाज के वरिष्ठ नेता संजय मलिक , बसंत बासु , काशी महतो , अनुसूचित जनजाति वर्ग के सभी लोग उपस्थित रहे।

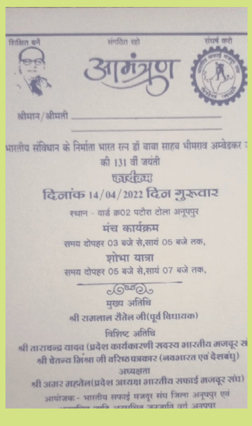
शिक्षित बनें संगठित रहो संघर्ष करो
आमंत्रण
श्रीमान/श्रीमती

जिले में 595 बिगड़े हैण्डपम्पों का सुधार, गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या से मुक्ति

कलेक्टर के निर्देश पर अभियान चलाकर पीएचई और पंचायत ने किया सुधार कार्य पूर्ण

हैंडपम्प सुधार की आवश्यकता की सूचना मिलने पर आगे भी जारी रहेगा अभियान

कोरिया। जिले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं ग्राम पंचायतों के परस्पर समन्वय से बिगड़े 595 हैंडपम्प का संधारण कार्य पिछले 10 दिनों में किया गया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर सतत निगरानी एवं उचित मार्गदर्शन से जिले में बिगड़े हैण्डपम्पों का सुधार कार्य पूर्ण किया गया है। कलेक्टर ने पूर्व में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में बिगड़े हैंडपम्प के संधारण के निर्देश दिए गए थे।जिसके परिपालन में बड़े पैमाने पर हैंडपम्प सुधार कार्य किया गया। कलेक्टर शर्मा ने स्वयं बैठकों में इस कार्य की समीक्षा की और प्रगति के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है

कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 12840 हैण्डपम्प स्थापित किये गए हैं, जिनमें से 595 बिगड़े हैंडपम्प का संधारण कर लिया गया है। आगे भी हैंडपम्प सुधार की आवश्यकता की सूचना मिलने पर अभियान चलाकर संधारण कार्य किया जाएगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल के अन्य स्त्रोत के सूखने लगते हैं तथा भूमिगत जल स्तर नीचे जाने लगता है जिससे पेयजल की समस्या होती है। इन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए बिगड़े हैंडपम्प का सर्वे किया गया। इस दौरान 595 हैण्डपम्प बिगड़े हुए पाए गए जिन्हें पिछले दस दिवस में 595 संधारण कार्य पूर्ण कर ग्रामवासीयों को पेयजल उपलब्ध कराया गया।

जिला बाल संरक्षण इकाई के द्वारा बाल विवाह रोकने में पाई गई सफलता।

कोरिया। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती अभिलाषा बेहार के नेतृत्व मे जिला बाल संरक्षण इकाई की टीम के द्वारा दो बाल विवाह के प्रकरण को संज्ञान में लेकर, मौके में पहुच कर विवाह होने से रोके जाने में सफलता प्राप्त की है। जानकारी प्राप्त होते ही ग्राम छोटे कलुआ, कटकोना नेवारी बहरा क्षेत्र के अंतर्गत दिनांक 14 अप्रैल एवं 19 अप्रैल को आयोजित स्थल में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बालिका की निर्धारित आयु 18 वर्ष से कम होने के कारण दोनो पक्षो से निवेदन करने पर विवाह को रोका जाना संभव हो सका। इस मौके पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री आशीष गुप्ता एवं जिला संरक्षण इकाई के कर्मचारी पर्यवेक्षक उपस्थित थे। जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा उक्त विवाह को रोके जाने मे सफलता प्राप्त की है। जिला बाल संरक्षण समिति की टीम के द्वारा सजगता एवं सुझबूझ से समझाइश देकर बाल विवाह पर रोक लगाया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक बुराई ही नहीं अपितु कानूनन अपराध भी है बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह करने वाले वर एवं वधु के माता-पिता सगे संबंधी बराती एवं विवाह कराने वाले पुरोहित पर भी कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। इसके अतिरिक्त यदि वर या कन्या बाल विवाह पश्चात् विवाह को स्वीकार नही करते है तो बालिग होने के पश्चात् विवाह को शून्य घोषित करने हेतु आवेदन कर सकते है।

भाजपा मण्डल बिजुरी में मनाया गई बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जन्मजयंती

बिजुरी। 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर का 131 वाँ जन्म जयंती सम्पूर्ण भारत-भूमी सहित विश्व के भिन्न-भिन्न देशों में जहां धूम-धाम से मनाया गया, वहीं भारतीय जनता पार्टी मण्डल बिजुरी द्वारा भी वार्ड क्रमांक 09 स्थित काली मंदिर समीप बाबा साहेब का जन्म जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लेकिन उक्त कार्यक्रम में औपचारिक्ता निभाकर महज 02 मिनट का भाषण देकर खुद को चलता कर लेने वाले भाजपा जिला अध्यक्ष और जिला उपाध्यक्ष ने समस्त कार्यकर्ताओं को ना सिर्फ निराश कर दिया बल्की उनमें हताशा की भावना भी पैदा कर दिये। नाराज कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह कार्यक्रम अगर किसी अन्य महापुरुषों का होता तो यकीनन जिला अध्यक्ष पूरा समय देते वहीं जिला उपाध्यक्ष कार्यक्रम प्रारम्भ होने से पूर्व ही स्थल में आकर डटे रहते, लेकिन कार्यक्रम बाबा साहेब भीमराव के जन्म जयंती के उपलक्ष्य में था। इसलिये दोनों नेताओं ने महज औपचारिकता निभाकर कार्यक्रम से दूरियां बना ली। लोगों ने आरोप लगाये कि जिला अध्यक्ष कयी बार नगरपालिका बिजुरी में आकर घण्टों गप्पें हांककर चले जाते हैं तब उनके पास पर्याप्त समय रहता है, लेकिन देश के प्रथम कानून मंत्री व संविधान के रचयिता के जन्म-जयंती पर इनके पास 20 मिनट का भी वक्त नही रहा, वहीं जिला उपाध्यक्ष प्रतिदिन कॉलरी से हाजिरी लगवाकर सुबह 10 बजे तक घर आ जाते हैं। जिसके बाद पूरी तरह से फुर्सत रहते हैं लेकिन बाबा साहेब के जन्म जयंती के दिन बिल्कुल भी वक्त नही मिला। इससे दुर्भाग्य पूर्ण और क्या होगा कि भाजपा के ये जिला पदाधिकारी अपनी ही कथनी और करनी के मध्य अंतर भाव पैदा करते हैं।

पूर्व विधायक ने उपस्थित लोगों को किया उद्बोधित-

क्षेत्र के पूर्व विधायक दिलीप जायसवाल ने कार्यक्रम में मंचासीन लोगों व उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये बताया की डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने तमाम कुरीतियों व समाजिक बुराईयों से लड़कर शिक्षा हासिल किये, अपने माता पिता के चौदहवीं

संतान रहे बाबा साहेब ने शिक्षा में जितनी डिग्री हासिल किये हैं उतनी डिग्री कोई भी अब तक हासिल नही कर पाया है। उन्होने देश को ना सिर्फ एक मजबूत संविधान दिया है, बल्कि कयी समाजिक बुराईयों का नाश कर लोगों के लिये प्रेरणा के स्त्रोत भी बने।

कार्यकर्ताओं ने उठाया नगरपालिका का मुद्दा- कार्यक्रम के दौरान जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगरपालिका बिजुरी में अध्यक्ष पुरूषोत्तम सिंह एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी मीना कोरी द्वारा नगर विकाश के नाम पर किये गये करोड़ों के भृष्टाचार का आरोप लगाते हुये पूर्व विधायक के समक्ष मुद्दा उठाया, तब पर पूर्व विधायक ने मंच से ही उन्हे कोसते हुये मामले कि शिकायत नगरीय विकाश मंत्रालय एवं मुख्यमंत्री भोपाल से कर कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया गया। वहीं बिजुरी मण्डल के समस्त मोर्चाओं ने एक साथ शासन-प्रशासन एवं भाजपा संगठन से मामले पर एकसूत्रीय शिकायत करने पर सहमति बनाया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से यह रहे मौजूद-

डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के जन्म जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला मंत्री गुंजन साहू, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष लक्ष्मी चौधरी, सांसद प्रतिनिधी दीपक शर्मा, मण्डल अध्यक्ष भूपेन्द्र महरा, महामंत्री दीपक मौर्य, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला मंत्री माखन चंद्रा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राहुल शुक्ला, मण्डल अध्यक्ष भैयालाल प्रजापती, अल्पसंख्यक मोर्चा मण्डल अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन, अनुसूचित जनजाति मोर्चा मण्डल अध्यक्ष रोशन सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्षा कलावती सिंह पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्षा ज्ञानदेवी सिंह चौहान, सपना मौर्य, अर्चना मिश्रा, कैलाश कोल सहित अनेकों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

लाउड स्पीकर का जबसे धर्म तय हुआ है तबसे वह दंगाई हो गया है

ध्वनि विस्तारक यंत्र यानी लाउडस्पीकर आजकल पूरे देश में सुर्खियां बटोर रहा है। एक तरफ वह लोग हैं जिनका लाउडस्पीकर से मोह भंग होने का नाम नहीं ले रहा है तो दूसरी तरफ ऐसे लोग खड़े हैं जिनका कहना है कि लाउडस्पीकर के शोर ने उनकी जिंदगी हराम कर दी है। लाउडस्पीकर के जरिए शोर चाहे मंदिर से निकले या मस्जिद से, इससे परेशान होने वालों का दर्द एक जैसा है। कोई शोर के कारण चैन से सो नहीं पा रहा है तो किसी की पढ़ाई का नुकसान हो रहा होता है। लाउडस्पीकर से निकलने वाली तेज आवाज से होने वाले नुकसान की बात करें, तो इसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इनमें सुनने की क्षमता हमेशा के लिए खत्म होने का खतरा भी शामिल है। ज्यादा लंबे समय तक तेज आवाज सुनने से मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। आदमी चिड़चिड़ा और हिंसक भी हो सकता है। कई रिसर्च बताते हैं कि 85 डेसिबल से अधिक का साउंड लगातार सुनने से बहरापन भी हो सकता है और एकाग्रता पर असर पड़ सकता है। इसी प्रकार ज्यादा तेज आवाज सुनने से उल्टी भी हो सकती है। नर्वस सिस्टम पर असर पड़ने से स्पर्श को महसूस करने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन स्पीड पर भी असर पड़ सकता है। लगातार शोर खून में कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढ़ा देता है। इससे दिल की बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा 120 डेसिबल से अधिक की आवाज प्रेगनेंट महिला भ्रूण पर असर डाल सकती है। वहीं 180 डेसिबल से अधिक की आवाज मौत का कारण बन सकती है। खैर, इस बीच योगी सरकार द्वारा लाउडस्पीकर को लेकर आदेश दिए जाने के बाद मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रबंधन ने जन्मभूमि परिसर के शिखर पर लगा लाउडस्पीकर उतार दिया है। वहीं जन्मभूमि के बगल में बनी शाही मस्जिद के प्रबंधन को अभी सरकार का शासनादेश आने का इंतजार है।

राजस्थान में आपसी गुटबाजी से फुर्सत मिलेगी तभी तो गहलोत सरकार से लड़ेगी भाजपा

वसुंधरा राजे प्रदेश में भाजपा की कद्दावर नेता मानी जाती हैं। राजस्थान में दो बार मुख्यमंत्री व दो बार प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही केंद्र सरकार में मंत्री रह चुकी हैं। राजस्थान में भाजपा के अंदर बड़ी संख्या में उनके समर्थक मौजूद हैं। वहीं दूसरी ओर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया वसुंधरा राजे विरोधी खेमे के नेता माने जाते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से निकटता के चलते पूनिया को संघ का पूरा समर्थन प्राप्त है। पूनिया चाहते हैं कि अगला विधानसभा चुनाव पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम व चेहरे पर लड़े। पूनिया का कहना है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं। पार्टी ने उन्हें ही अगला मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ा था। तब वसुंधरा राजे के नेतृत्व में पार्टी को हार मिली थी।

राजस्थान में 2023 के आखिरी महिने में विधानसभा चुनाव होने हैं। जिसके लिए सभी राजनीतिक दल अभी से अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। मगर मुख्य विपक्षी दल भाजपा गुटबाजी में फंसी हुई है। भाजपा के नेता एक दूसरे की टांग खिंचाई में ही उलझे हुये हैं। राजस्थान में भाजपा की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे ने जहां खुद को अगले विधानसभा चुनाव में नेता प्रोजेक्ट करने की जिद कर रखी है। वहीं उनका विरोधी गुट किसी भी सूरत में उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है।

वसुंधरा राजे प्रदेश में भाजपा की कद्दावर नेता मानी जाती हैं। राजस्थान में दो बार मुख्यमंत्री व दो बार प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही केंद्र सरकार में मंत्री रह चुकी हैं। राजस्थान में भाजपा के अंदर बड़ी संख्या में उनके समर्थक मौजूद हैं। वहीं दूसरी ओर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया वसुंधरा राजे विरोधी खेमे के नेता माने जाते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से निकटता के चलते पूनिया को संघ का पूरा समर्थन प्राप्त है। पूनिया चाहते हैं कि अगला विधानसभा चुनाव पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम व चेहरे पर लड़े। पूनिया का कहना है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं। पार्टी ने उन्हें ही अगला मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ा था। तब वसुंधरा राजे के नेतृत्व में पार्टी को हार मिली थी। विधायकों की संख्या 163 से सिमटकर 73 रह गई थी। पूनिया गुट के नेताओं का कहना है कि यदि वसुंधरा राजे का मतदाताओं पर प्रभाव रहता तो उनके मुख्यमंत्री रहते पार्टी बुरी तरह से चुनाव क्यों हारती ? विधानसभा चुनाव के कुछ महीनों बाद ही 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ी थी और सभी 25 लोकसभा चुनाव पर जीत हासिल की थी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया भी सतीश पूनिया के साथ मिलकर वसुंधरा राजे की खिलाफत कर रहे हैं। वहीं केंद्र में जल शक्ति मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नजदीकी लोगों में शुमार होते हैं। उनका अपना तीसरा धड़ा प्रदेश में सक्रिय है। मगर वसुंधरा राजे को प्रदेश की राजनीति से दूर रखने में वह भी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के खेमे से जुड़ गए हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत को प्रधानमंत्री मोदी से नजदीकी के चलते ही जल शक्ति जैसा बड़ा मंत्रालय दिया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी राजस्थान भाजपा के बड़े नेता माने जाते हैं। मगर संवैधानिक पद पर रहने के कारण वह खुले तौर पर किसी भी गुट से संबंद्ध नहीं हैं। हालांकि समय आने पर ओम बिरला मुख्यमंत्री पद के सबसे प्रबल दावेदारों में शामिल हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री रहते वसुंधरा राजे को फ्री हैंड दिया गया था। प्रत्याशियों के चयन से लेकर चुनाव प्रचार तक की पूरी कमान वसुंधरा राजे व

■ वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भाजपा युवा मोर्चा व प्रदेश भाजपा संगठन के विभिन्न पदों पर काम करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं।

उनके विश्वस्त लोगों के हाथों में थी। पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को राजस्थान भाजपा का अध्यक्ष बनाना चाहते थे। मगर उस वक्त मुख्यमंत्री रहते वसुंधरा राजे ने वीटो कर गजेंद्र सिंह की ताजपोशी रुकवा दी थी। उन्होंने अपने निकट के मदन लाल सैनी को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनवा दिया था। विधानसभा चुनाव के कारण उस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने वसुंधरा राजे के दबाव में उनकी पसंद के नेता सैनी को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया था। मगर विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद वसुंधरा राजे को किनारे किया जाने लगा। मदन लाल सैनी का अचानक निधन हो जाने से उनके स्थान पर भाजपा आलाकमान ने वसुंधरा राजे विरोधी धड़े के डॉ. सतीश पूनिया को राजस्थान भाजपा का अध्यक्ष बना दिया। तभी से वसुंधरा राजे भाजपा आलाकमान से नाराज हैं। हालांकि वसुंधरा राजे को भी पार्टी नेतृत्व ने भाजपा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बना कर समायोजित कर दिया था। मगर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में पार्टी में उनकी कोई भूमिका नहीं रखी गई। ऐसे में वसुंधरा राजे मात्र दिखावटी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बन कर रह गई हैं। राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी वसुंधरा राजे को स्टार प्रचारक बनाकर नहीं भेजा जाता है। अपनी उपेक्षा से क्षुब्ध वसुंधरा राजे इन दिनों बहुत भाग दौड़ कर सक्रिय हो रही हैं। हाल ही में वो दिल्ली में सरकार व संगठन के कई बड़े नेताओं से मिल चुकी हैं। उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी पहुंचकर वसुंधरा राजे ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई थी। राजस्थान में वसुंधरा राजे विचार मंच के नाम पर उनके समर्थक पार्टी के समानांतर एक संगठन चला रहे हैं। जिसके माध्यम से समय-समय पर वसुंधरा राजे को प्रदेश नेतृत्व सौंपने की मांग की जाती रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया प्रारंभ से ही संघ से जुड़े रहे हैं। वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भाजपा युवा मोर्चा व प्रदेश भाजपा संगठन के विभिन्न पदों पर काम करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। इस कारण उनकी पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं से सीधी जान पहचान है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद डॉ. सतीश पूनिया लगातार राजस्थान में दौरे कर रहे हैं। पूनिया ने पिछले दिनों भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे घनश्याम तिवारी की भी पार्टी में पुनः वापसी करवाई है। घनश्याम तिवारी वसुंधरा राजे से नाराजगी के चलते ही पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व पार्टी छोड़कर अपनी अलग पार्टी बनाकर चुनाव लड़े थे जिसमें वह बुरी तरह फेल हो गए थे। फिर घनश्याम तिवारी कांग्रेस में शामिल हो गए थे। मगर प्रदेशाध्यक्ष पूनिया के प्रयासों से वह फिर से भाजपा में शामिल होकर धीरे-धीरे सक्रिय हो रहे हैं। राजस्थान भाजपा में वसुंधरा राजे द्वारा हाशिये पर लगाए गए सभी नेता प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पूनिया के साथ लगे हुए हैं। उनका प्रयास है कि किसी भी स्थिति में वसुंधरा राजे को फिर से प्रदेश की कमान नहीं सौंपी जाए ना ही उनके नेतृत्व में उनको मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर विधानसभा का अगला चुनाव लड़ा जाए। वसुंधरा राजे के भतीजे ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल होने व उन्हें केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाने के बाद पार्टी आलाकमान वसुंधरा राजे को पूरी तरह से राजस्थान से बाहर करने के मूड में नजर आ रहा है। इस बात की वसुंधरा राजे को भी पूरी जानकारी है।

भगवंत सरकार के एक महीने में क्रांति की जगह भ्रांति में बदलती दिखी पंजाब में आप की जीत

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार को एक माह हो चुका है। चाहे किसी सरकार की उपलब्धियां जांचने के लिए यह पर्याप्त समय अवधि नहीं है परन्तु एक महीना पूरा होने पर जहां मुख्यमन्त्री भगवन्त मान ने अपनी पीठ थपथपाई है तो उनकी इतनी समय सीमा के कार्यकाल का मूल्यांकन करना जरूरी हो जाता है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने पंजाब में अपनी पार्टी की जीत को क्रान्ति बताया था परन्तु यह क्रान्ति बड़ी तेजी से भ्रान्ति में बदलती दिख रही है। एक माह में ही सरकार कानून व्यवस्था, बाहर के लोगों से संचालित होने आदि विषयों पर चर्चा में आ चुकी है। आजकल भगवन्त मान टीवी चैनलों पर यह दावा करते नहीं थकते कि उनकी सरकार ने सत्ता सम्भालते ही राज्य

में भ्रष्टाचार खत्म कर दिया। वे दावा करते हैं कि उन्होंने भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए हैल्पलाइन नम्बर जारी किया है और इतना करके ही उन्होंने मान लिया है कि राज्य में भ्रष्टाचार दम तोड़ चुका है।

जहां तक हैल्पलाइन नम्बर की बात है तो यह पंजाब सहित अन्य सभी राज्यों में जारी किए जा चुके हैं। पंजाब में विजिलेंस विभाग का इस तरह का नम्बर पहले से ही चल रहा है। मुख्यमन्त्री को इस तरह का दावा करने से पहले लोगों को तथ्यात्मक जानकारी देनी चाहिए कि क्या राज्य में भ्रष्टाचार को लेकर कोई सरकारी या गैर-सरकारी सर्वेक्षण हुआ है? क्या यह सरकारी रिपोर्ट है? दावे का आधार क्या है? अगर ऐसा नहीं है तो उनके दावे को केवल कॉमेडी का नया वीडियो ही माना जा सकता है, जिसमें वो विशेषज्ञ हैं। भगवन्त मान ने अपनी सरकार की एक महीने की उपलब्धियों में निजी स्कूलों को फीसें न बढ़ाने, गैंगस्टरों के खिलाफ सख्ती बरतने, गेहूं की फसल पूरी तरह खरीदने के निर्देश सहित वह छोटे-छोटे प्रशासनिक काम गिनाए हैं जो जिला स्तर के अधिकारी भी करते आए हैं। हां विधायकों की पेंशन घटा कर एक करना, नेताओं की सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मचारियों की वापसी जैसे कदम अवश्य ही सराहनीय है परन्तु राज्य की आर्थिक स्थिति इससे ठीक नहीं होने वाली। राज्य के आर्थिक हालातों को कीमोथैरेपी की आवश्यकता है परन्तु मुख्यमन्त्री आईसीयू में पड़ी पंजाब की अर्थव्यवस्था का झाड़फूंक से उपचार करते दिखाई दे रहे हैं।

महाविनाश की ओर जा रहा है रूस-यूक्रेन युद्ध, दुनिया को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए

रूस युक्रेन युद्ध को पचास से ज्यादा दिन हो गए। युद्ध का लंबा खिंचना ठीक नहीं होता। इस युद्ध का तो बिल्कुल भी नहीं। ये युद्ध जितनी जल्दी समाप्त हो जाए, उतना अच्छा है। युद्ध जितना लंबा खिंच रहा है, उतना गंभीर हो रहा है। संकेत ऐसे हैं कि ये युद्ध विश्व युद्ध की ओर न चला जाए। इसीलिए इस युद्ध को रोकने के लिए विश्व के सभी देशों को ईमानदारी के साथ प्रयास करने होंगे। रूस के मित्र देशों को इसके लिए प्रयास करने होंगे। युद्ध, युद्ध होता है, वह न हो तो बहुत ही बढ़िया। कभी मजबूरी में हो तो बहुत संक्षिप्त। बड़ा युद्ध, उसको लड़ने वाले देश ही नहीं पूरी दुनिया को प्रभावित करता है। रूस यूक्रेन युद्ध 55 दिन से जारी है। वार्ता और मान-मनव्वल की कोशिश बेकार हो गई। अब ऐसा नहीं लगता कि जल्दी युद्ध रूकेगा। रूस को उम्मीद नही थी कि यूक्रेन इतनी मजबूती के साथ मुकाबला करेगा। युद्ध के चलते 55 दिन बीत गए। रूस ने यूक्रेन के शहरों पर बमबारी करके लगभग उन्हें तबाह कर

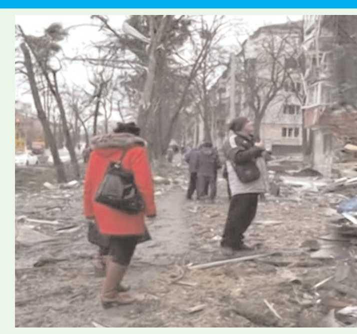

दिया। वहां जरूरत के सामान का संकट है, फिर भी यूक्रेन युद्धरत है। उसने हथियार नहीं डाले। वहां की जनता हार मानने को तैयार नहीं है। अब तो समाचार ये आ रहे हैं कि रूस के हमलों से डरकर देश छोड़ने वाले यूक्रेनवासी वापस लौट रहे हैं। देश छोड़कर जाने वाले यूक्रेन वालों की वापसी यह बताने के लिए काफी है कि वे प्रत्येक परिस्थिति को समझकर लौट रहे हैं। वह अपने देश और देशवासियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने के लिए लौट रहे हैं।

महंगाई ने बिगाड़ा घर का बजट, रसोई गैस महंगी व हरी सब्जियों के दाम बढ़े

रायसेन। महंगाई बढ़ने से घर का बजट बिगड़ गया है। पहले पांच सौ रुपये में एक सप्ताह के लिए दो थैला भरकर सब्जियां व फल लाते थे। अब एक थैला भी नहीं भरता। सभी सब्जियों के दाम 40 रुपये प्रति किलो से अधिक हैं। यहां तक कि ककड़ी, टमाटर भी सलाद से गायब हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि किसानों को यह बढ़े हुए दाम नहीं मिल रहे। खेतों से किसानों से कम दाम पर सब्जियां खरीदकर बिचौलिया ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। किराना सामान भी बहुत महंगा हो गया है। सोयाबीन खाद्य तेल 170 से 180 रुपये लीटर बिक रहा है।

एक सिलिंडर महीने भर नहीं चल पाता –

हमारे परिवार में एक सिलिंडर महीने भर नहीं चल पाता। इसलिए इतना महंगा दूसरा रसोई गैस सिलिंडर महीने में लेने की बजाय हम लोग लकड़ी व कंडों का भी उपयोग खाना पकाने के लिए करने लगे हैं।
- जिया भदौरिया गृहणी।

हर माह बढ़ जाते हैं दाम – हर माह महंगाई बढ़ रही है। खाद्य पदार्थों व सब्जियों-फलों के दाम चाहे जब बढ़ जाते हैं। वर्तमान में कोई भी हरी सब्जी 40 रुपये प्रति किलो से कम नहीं है। सलाद का उपयोग भी कम हो गया है।
- उर्मिला भदौरिया गृहणी।

इतनी महंगाई में घर चलाना मुश्किल– घर-परिवार में उपयोग की सभी सामग्री महंगी हो गई है। इतनी महंगाई में घर चलाना मुश्किल हो रहा है। पहले पांच हजार रुपये महिने में घर चल जाता था अब दस हजार रुपये भी कम पड़ रहे हैं।
- तुलसा भदौरिया गृहणी।

ड्राय फ्रूट में कटौती करना पड़ रही – पहले घर के किराना सामान के साथ ड्राय फ्रूट भी लाते थे। अब किराना सामान ही इतना महंगा हो गया है कि ड्राय फ्रूट लाना बंद करना पड़ा है। काजू, किशमिश, बादाम, अखरोट नहीं ला रहे।
- मेघा श्रीवास्तव, गृहणी।

कीमतें कम होना चाहिए – घर-परिवार में उपयोगी खाद्य पदार्थों के दाम कम होना चाहिए। सभी सब्जियों से लेकर आवश्यक खाद्य सामग्री की पैदावार बढ़ाना चाहिए और कीमतों में कमी की जाए। जिससे कि आम आदमी को राहत मिल सके।
- भावना विश्वकर्मा गृहणी सांचेत।

पूरा बजट बिगड़ गया है – महिलाएं रसोई की व्यवस्था करने में परेशान हैं। सब्जी, दूध, फल, किराना सामान, खाद्य तेल सभी के दाम बढ़ गए हैं। हमने किराना सामान में अचार, पापड़ में कटौती कर दी है। पूरा बजट बिगड़ गया है।
- रेखा विश्वकर्मा गृहणी सांचेत।

बच्चों को गेट से झूलने से रोका होता तो बच जाती मासूम की जान

रायसेन, दीवानगंज। शासकीय प्राथमिक स्कूल अंबाड़ी में अक्सर बच्चे जर्जर सुरक्षा दीवार के गेट पर लटक कर खेलते रहते हैं। गुरुवार को सुबह भी रोजाना की तरह बच्चे गेट से लटक कर खेल रहे थे। यदि समय पर शिक्षकों ने बच्चों को गेट पर झूलने से रोक लिया होता तो मासूम साक्षी की जान बच सकती थी। ग्रामीणों की मानें तो सभी शिक्षक सुबह 9 बजे तक स्कूल पहुंचते हैं, जबकि बच्चे 7 बजे से स्कूल पहुंच जाते हैं। शिक्षकों के नहीं आने के कारण बच्चे यहां-वहां खेलते रहते हैं। कक्षा तीसरी की छात्रा साक्षी, छात्र प्रतापभानु आत्मज राधेश्याम प्रजापति उम्र आठ वर्ष और उर्मी आत्मज राजेश अहिरवार उम्र सात वर्ष आज भी गेट से लटक कर खेल रहे थे। तभी सुरक्षा दीवार का पिलर सहित गेट कर गिर गया। जिसमें साक्षी दब गई।

एक घंटा दबी रही बच्ची, फिर दो घंटे जाम में फंसा वाहन

ग्रामीणों की मानें तो सुरक्षा दीवार के पिलर व गेट के नीचे साक्षी करीब घंटे तक दबी रही। किसी ने भी बच्ची को गेट के नीचे से नहीं निकाला। जब किसी बच्चे ने साक्षी के पिता ऋषभ जैन को सूचना दी तो पिता भागे- भागे आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचे। तब जाकर बच्ची को गेट के नीचे से निकाला गया। तब तक काफी देर हो गई थी। बच्ची के सिर से काफी खून निकल रहा था, लेकिन सांसें चल रही थीं। बच्ची को पिता ने उठाकर तुरंत चारपहिया वाहन से भोपाल ले जा रहे थे। लेकिन बालमपुर घाटी पर दो घंटे से जाम लगा था। जिसमें बच्ची को ले जा रहा वाहन भी फंसा रहा। वाहन आगे नहीं निकल पाया और बच्ची ने बालमपुर घाटी पर वाहन में ही दम तोड़ दिया।

पुराने स्कूल भवन में आंगनवाड़ी केंद्र लगता है

ग्राम अंबाड़ी में करीब 60 वर्ष पूर्व शासकीय प्राथमिक स्कूल भवन बना था। जिसकी सुरक्षा दीवार भी उतनी ही पुरानी है। स्कूल भवन क्षतिग्रस्त होने के कारण उसी के पीछे नया स्कूल का भवन बन गया है। जिसमें पिछले तीन वर्ष से कक्षाएं लग रहीं हैं। जबकि पुराने भवन के पास आंगनवाड़ी केंद्र बनाया है। इस आंगनवाड़ी केंद्र के सामने ही सुरक्षा दीवार पर गेट लगा हुआ था, जो बच्ची के ऊपर गिर गया। बच्ची के पिता ऋषभ जैन, कमल जाटव, गोलू साहू इत्यादि ने स्कूल प्रबंधक पर आरोप लगाए हैं कि बच्चों को सुबह 7 बजे स्कूल में बुला लिया जाता है, जबकि शिक्षक 9 बजे तक स्कूल पहुंचते हैं। बच्चे दो घंटे स्कूल में ही इधर-उधर घूमते फिरते हैं। कुछ शिक्षक भोपाल से अप डाउन करते तो कुछ स्थानीय हैं। शिक्षकों की जब मनमर्जी होती है तब छुट्टी करके बच्चों को घर भेज देते हैं। बच्चों की पढ़ाई व सुरक्षा के प्रति शिक्षक बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते हैं। स्कूल का समस्त स्टाफ समय पर नहीं पहुंचता। जिस कारण बच्चे इधर-उधर घूमते हैं। इसी कारण आज यह हादसा हुआ है।

पिता ने कहा- हमें आर्थिक सहायता नहीं, कार्रवाई चाहिए

घटनास्थल पर कलेक्टर अरविंद कुमार दुबे, एसपी विकाश कुमार शाहवाल, जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा, डीईओ एमएल राठौरिया, तहसीलदार अजयप्रताप सिंह, थाना प्रभारी देवेंद्र पाल, सांची नायब तहसीलदार नियति साहू पहुंचे। बच्ची के पिता ने कलेक्टर रे कहा कि हमें कोई सहायता नहीं चाहिए। हम स्कूल के स्टॉफ पर कार्रवाई चाहते हैं। क्योंकि उनकी लापरवाही से आज मेरी बच्ची की मौत हो गई। कोई भी शिक्षक समय पर स्कूल नहीं पहुंचते हैं। हमें अभी कार्रवाई चाहिए नहीं तो हम चक्काजाम करेंगे। क्योंकि आज स्कूल के शिक्षक बच्चों पर ध्यान देते तो मेरी बच्ची जिंदा होती। बच्ची की मौत की खबर सुनते से ही बच्ची की मां- पिता और परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। एसपी शहवाल के समझाने पर साक्षी के पिता मान गए। कलेक्टर दुबे ने तुरंत डीईओ को निर्देश दिए कि जांच करके तुरंत कार्रवाई करें। कलेक्टर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि इस प्रकार की घटना अब नहीं होगी। हम सभी स्कूलों में जांच कराएंगे कि अगर कोई भवन क्षतिग्रस्त है तो उसको सही कराएंगे।

न्यायाधीश की समझाइश पर दो बच्चों ने गुटखा खाना छोड़ा

बेगमगंज। नवयुवकों, किशोरों, बालकों एवं छात्रों में ड्रग तस्करी एवं दुरुपयोग की असाधारण वृद्धि को रोकथाम के संबंध में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन तहसील विधिक साक्षरता समिति के अध्यक्ष द्वितीय सत्र न्यायाधीश केएस शाक्य की अध्यक्षता में बालकों के खुला आश्रय गृह में आयोजित किया गया। शिविर में उपस्थित बच्चों को समझाइश देते हुए शाक्य ने कहा कि आप बच्चों की उम्र पढ़ने-लिखने की है पढ़ लिखकर अच्छे इंसान बने और किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें ताकि आपका जीवन अच्छे से गुजरे। यदि कोई बच्चा भूलवश गुटखा अथवा जर्दा खाने की लत में लग गया है तो उसे तुरंत छोड़ देना चाहिए। अन्यथा यह जीवन के लिए बहुत घातक होता है। कैंसर जैसी घातक बीमारियां पैदा करता है। जिससे जीवन नष्ट हो जाता है। न्यायाधीश शिवहरे ने एक-एक बच्चे से उसके बारे में पूछते हुए उसकी दिनचर्या एवं गतिविधियों की जानकारी ली तो उन्हें पता चला कि इनमें से कुछ बच्चे जो कि कबाड़ा बीनते हैं। वह दिन भर कबाड़ा बीनते हैं और उससे जो पैसा मिलता है उस पैसे से गुटका लेकर खाते हैं। तब उन्होंने ऐसे बच्चों को प्रेम से समझाइश दी और गुटका नहीं खाने की सीख देते हुए गुटखा खाने से होने वाले नुकसान के संबंध में भी बताया। तो दोनों बच्चों ने भविष्य में गुटखा नहीं खाने का संकल्प लिया। अपर लोक अभियोजक बद्री विशाल गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। अंत में सभी मौजूद बच्चो को न्यायाधीशों ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए पढ़ाई लिखाई कर अच्छा इंसान बनने के लिए संकल्प दोहरवाया।

भैंस से टकरा कर बाइक चालक की मौत

बेगमगंज। विदिशा निवासी अमित रैकवार पुत्र महेश रैकवार आयु करीब 25 वर्ष अपने साथ विकास रैकवार के साथ रात करीब 12 बजे बाइक से मुडपार गांव जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक कोलूघाट मंदिर के करीब पहुंची तो सड़क का मोड़ होने के कारण अचानक सामने भैंस आ जाने से चालक बाइक पर नियंत्रण खो बैठा और भैंस से टकराकर रोड पर गिर गए। जिससे वह युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जब तक घायल को सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। डाक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया जबकि विकास के लिए मामूली चोट आई है।

बिग बी संग खूब जमी थी इस एक्ट्रेस की केमिस्ट्री

प्लेन क्रैश ने छीन ली जिंदगी

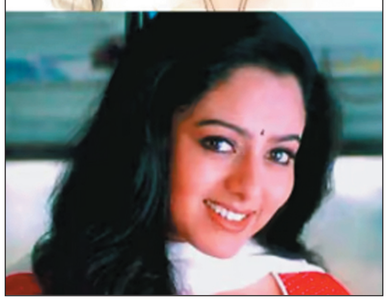

अभिनेत्री सौंदर्या मुख्य रूप से साउथ फिल्मों में सक्रिय थीं, लेकिन फिल्म सूर्यवंशम में अमिताभ बच्चन यानी हीरा ठाकुर की पत्नी बन उन्होंने बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई थी। ये फिल्म भले ही उस समय बॉक्स ऑफिस पर सफल न रही हो लेकिन आज भी टीवी पर इसे देखा जाता है और इस फिल्म में बिग-बी और सौंदर्या की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आती है। हालांकि अब एक्ट्रेस सौंदर्या हमारे बीच नहीं हैं। 17 अप्रैल 2004 में एक प्लैन क्रैश में इस प्रतिभाशाली अभिनेत्री का निधन हो गया था। जानते हैं उनके जीवन से जुड़े कुछ खास पहलू.... अभिनेत्री सौंदर्या का असली नाम सौम्या सत्यनारायण था। इनके पिता कन्नड़ इंडस्ट्री में एक राइटर और प्रोड्यूसर थे। सौंदर्या ने अपने करियर की शुरुआत 1992 में कन्नड़ मूवी गंधर्व से की थी। इंडस्ट्री में डेब्यू के शुरुआती दौर में ही इन्होंने कई सुपरस्टार्स के साथ काम किया और एक के बाद एक कई हिट फिल्में दीं। 12 साल के करियर में उन्होंने तकरीबन 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। अभिनेत्री सौंदर्या ने डॉक्टर बनने की तैयारी कर रही थीं और इसके लिए वह एमबीबीएस की पढ़ाई भी कर रही थीं लेकिन फिल्मों में करियर बनाने के लिए उन्होंने अपनी पढ़ाई को बीच में ही छोड़ दिया था। इसके बाद वह अभिनय की दुनिया में आ गईं और सफल भी रही। सौंदर्या ने एक्टिंग की ऊंचाइयों पर पहंचने के बाद साल 2003 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर जीएस रघु से शादी की थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। साल 2004 में सौंदर्या जब राजनीतिक प्रचार के लिए बैंगलौर से करीमनगर जा रही थीं और इसी दौरान उनका हेलीकॉप्टर दुर्घटना ग्रसित हो गया। इस हादसे में अभिनेत्री सौंदर्या ने अपनी जान गंवा दी और महज 31 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इस दुर्घटना में उनके भाई का भी निधन हो गया था।

इन वेब सीरीज के दूसरे सीजन का लोगों को है बेसब्री से इंतजार

कोरोना महामारी की वजह से देश में ओटीटी प्लेटफॉर्म मनोरंजन के माध्यम के रूप में एक अच्छा विकल्प बनकर उभरा है। याद कीजिए दो साल पहले का वो समय जब कोविड-19 वायरस की वजह से पूरी दुनिया की रफ्तार थम गई थी। उस समय सिनेमाघर भी पूरी तरह से बंद हो चुके थे। तब बड़ी संख्या में लोगों ने ओटीटी प्लेटफॉर्म की तरफ रुख करना शुरू किया। इन प्लेटफॉर्म पर मौजूद शानदार कंटेंट की वजह से लोगों का वेब सीरीज की तरफ रूझान काफी ज्यादा बढ़ गया। अब तक कई ऐसी वेब सीरीज आ चुकी हैं जिन्हें लोगों ने काफी पसंद किया है। आज हम आपको उन वेब सीरीज के बारे में बताने जा रहे हैं जो काफी सुपरहिट हुईं और अब लोगों को उनके अगले सीजन का बेसब्री से इंतजार है।

पंचायत 2

अमेजन प्राइम की पंचायत 2 का फैंस को लंबे समय से इंतजार है। पिछले सीजन की शानदार कहानी की वजह से लोग इसे देखने के लिए बेसब्र हुए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हालांकि इसे कब रिलीज किया जाएगा इस पर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

दिल्ली क्राइम सीजन 2

दिल्ली क्राइम सीरीज एमी जैसा प्रतिष्ठित अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। इस सीरीज को लोगों ने काफी पसंद किया था। अब डायरेक्टर राजेश मापुस्कर और तनुजा चोपड़ा इसके दूसरे सीजन के साथ जल्द लौटने वाले हैं। इस सीरीज में शेफाली शाह, आदिल हुसैन, रसिका दुग्गल, राजेश तेलांग जैसे कलाकार नजर आएंगे। इस वेब सीरीज को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जा सकेगा।

मेड इन हेवन सीजन 2

मेड इन हेवन सीजन 2 को ज़ोया अख्तर और रीमा कागती बना रही हैं। माना जा रहा है कि यह सीरीज इस साल के अंत तक आ जायेगी। इस सीरीज को पिछले सीजन की तरह ही अमेज़न प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जा सकेगा।

असुर 2

अभिनेता अरशद वारसी की इस वेब सीरीज से लोग काफी इंप्रेस हुए थे। इस सीरीज में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी। अब लोग इसके दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। इसके क्रिएटर गौरव शुक्ल हैं और जल्दी ही इसे वूट पर स्ट्रीम किया जा सकेगा।

स्कैम 2003

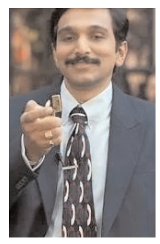

निर्देशक हंसल मेहता की स्कैम 1992 एक क्राइम ड्रामा वेब सीरीज थी। इस सीरीज में हर्षद मेहता के 1992 में किए गए शेयर बाजार में घोटाले के बारे में दिखाया गया था। इस सीरीज को लोगों ने काफी पसंद किया था। इसे द्वद्वस्त्रड्ढ पर 9.5 रेटिंग मिली है। हंसल जल्द ही इस सीरीज के नए सीजन स्कैम 2003 के साथ लौट रहे हैं। स्कैम 2003 में बहुचर्चित अब्दुल करीम तेलगी के घोटाले की कहानी को दिखाया जाएगा। यह सीरीज सोनी लिव

फिल्म जगत के मशहूर विलेन हैं केजीएफ चैप्टर 2 के विजयेंद्र इंगलागी

पैन इंडिया स्टार यश अभिनीत फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। महज तीन दिनों में 350 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली इस फिल्म ने तीसरे दिन 93 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। अपने दूसरे ही दिन 'केजीएफ चैप्टर 1' के लाइफटाइम कलेक्शन को मात देने वाली इस फिल्म में प्रशांत नील ने कई बड़े बदलाव किए हैं। सबसे बड़ा बदलाव केजीएफ चैप्टर 2 में अनंत नाग को रिप्लेस कर प्रकाश राज को कास्ट करना था। फिल्म में भले ही प्रकाश राज के रोल को छोटा रखा गया था, किंतु कहानी के नजरिए से बात की जाए तो अभिनेता का किरदार काफी महत्वपूर्ण था। हालांकि यह पहली फिल्म नहीं है जिसमें प्रकाश राज ने अपने अभिनय से लोगों के दिलों में छाप छोड़ी हो।

आलिया-रणबीर की रिसेप्शन में शाहरुख खान ने लूट ली सारी लाइमलाइट

रणबीर कपूर की रिसेप्शन पार्टी में शनिवार को बड़े बड़े सितारों की चमक देखने को मिली। करण जौहर से लेकर मलाइका अरोड़ा-अर्जुन कपूर, अयान मुखर्जी, आदित्य रॉय कपूर तक सभी इस पार्टी में शामिल होने के लिए वास्तु पहुंचे थे। इस दौरान इंडस्ट्री के बादशाह शाहरुख खान ने रिसेप्शन में पहुंच कर पूरी महफिल लूट ली। उनकी पत्नी गौरी खान को भी वेन्यू पर स्पॉट किया गया। हालांकि दोनों एक साथ नहीं अलग-अलग पार्टी में शिरकत करने पहुंचे थे। गौरी के पहुंचने के बाद सबको ऐसा लग रहा था कि शाहरुख खान पार्टी में शामिल नहीं होंगे लेकिन किंग खान ने वास्तु में अपनी ग्रैंड एंट्री से सबको चौंका दिया। सूत्रों के मुताबिक, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने इस पार्टी के लिए नो-गिफ्ट्स पॉलिसी रखी थी। इसके बारे में मेहमानों को पहले से ही सूचित कर दिया गया था कि वे कोई उपहार न लाएं। हालांकि करण जौहर को शैंपेन की बोतल के साथ स्पॉट किया गया।

गब्बर की प्रेमिका हैं हिंदी सिनेमा की यह आइटम क्वीन, आज तक हैं कंवारी

आमिर खान की फिल्म राजा हिन्दुस्तानी का गाना 'परदेसी परदेसी' सिनेप्रेमी ने जरूर सुना होगा। इस गाने में आमिर खान के साथ कल्पना अय्यर थीं, जिनके बंजारा लुक और डांस ने हर किसी को अपना दीवाना बना दिया था। 17 अप्रैल को बॉलीवुड की इसी मशहूर अदाकारा का जन्मदिन है। कल्पना का जन्म 17 अप्रैल 1955 को मुंबई में हुआ था और वह एक जमाने में बॉलीवुड इंडस्ट्री की शानदार एक्ट्रेस और डांसर थीं। कल्पना अय्यर ने फिल्मों में आइटम नंबर्स को एक नई पहचान दी।

ऐसे शुरू हुआ बॉलीवुड में करियर

कल्पना अय्यर ने मॉडलिंग के बाद बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा था। वह 70 के दशक की मशहूर मॉडल रह चुकी हैं। उन्होंने मिस वर्ल्ड पेजेंट में इंडिया को रिप्रेजेंट किया। इसी दौरान उन्हें राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'मनोकामना' का ऑफिर मिला और ऐसे उन्होंने बॉलीवुड में एंट्री की। इस फिल्म में कल्पना वेस्टर्न लुक में नजर आईं, जिसे काफी पसंद किया गया।

इन गानों से मचाया धमाल

1980 से लेकर 1990 तक कल्पना अय्यर ने लगभग 100 फिल्मों में काम किया है। वह कोई यहां नाचे नाचे,हरी ओम हरी, मुझे जान से भी प्यारा है जैसे कई हिट गानों के लिए याद की जाती हैं। कल्पना अपने हर गाने में आकर्षित लगती थीं, जिस वजह से दर्शकों के लिए उनके लुक्स से निगाहें हटा पाना भी मुश्किल हो जाता था। कल्पना बेहतरीन एक्ट्रेस रही हैं बल्कि जबरदस्त पॉप सिंगर भी रही हैं। उन्होंने कई लाइव शोज में परफॉर्म भी किया।

लड़कियों का अटेंशन पाने का लिए संजय दत्त करने लगे थे ये काम

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त इन दिनों फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 में विलेन का रोल करके खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। यश और संजय दत्त स्टारर ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इस समय वह केजीएफ चैप्टर 2 की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। फिल्म में यश, रवीना टंडन, प्रकाश राज, मालविका अविनाश, जॉन कोकेन और सरन भी हैं।

हाल ही में संजय दत्त ने एक इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया है जब लोग उन्हें चरसी कहकर पुकारते थे। तब उन्होंने अपनी इस आदत को छोड़ने के लिए जमकर मेहनत की। संजय ने कहा कि ये तब हुआ जब वह रिहैबिलिटेशन से वापस आए थे। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित और होम्बले फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म गुरुवार को कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज हुई। फिल्म

रॉकी (यश) की कहानी पर आधारित है, जो अनाथ होता है। वह गरीबी से उठकर सोने की खान का राजा बन जाता है। इस फिल्म में संजय दत्त विलेन अधीरा के रोल में हैं। बता दें कि केजीएफ का पहला भाग साल 2018 में आया था। संजय दत्त हमेशा अपनी जिंदगी के उस हिस्से को लेकर खुलकर बात करते हुए देखे गए हैं, जब वह ड्रग्स लेते थे। एक इंटरव्यू के दौरान अपने बीते दौर को याद करते हुए संजय ने कहा कि उन्होंने सोचा था कि ड्रग्स लेने से वह कूल दिखने लगेंगे। उन्होंने कहा, मैं बहुत शर्मीला था खासकर महिलाओं के साथ, इसलिए मैंने कूल दिखने के लिए इसे शुरू किया। मुझे लगता था मैं इसे करूंगा तो महिलाओं की नजर में अच्छा आदमी बन जाऊंगा और तब मैं उनसे बात करता था। संजय दत्त ने आगे कहा, अपनी जिंदगी के दस साल मैं अपने कमरे में या फिर बाथरूम में था। मेरी शूटिंग में कोई दिलचस्पी नहीं थी और देखिए कैसे सब कुछ बदल गया। जब मैं रिहैबिलिटेशन से वापस आया तो लोग मुझे चरसी कहते थे। मुझे लगा ये गलत है ये कि लोग सड़क पर मुझे इस तरीके से कह रहे हैं, कुछ तो करना पड़ेगा। तब मैंने वर्कआउट करना शुरू किया। और फिर चरसी की छवि तोड़कर मैं एक स्वैग वाला लड़का बन गया। अब लोग कहते हैं क्या बॉडी है। संजय दत्त बहुत जल्द फिल्म पृथ्वीराज में नजर आने वाले हैं।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों की तरफ से आज भी पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये व डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 115.12 रुपये जबकि डीजल का दाम 99.83 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 110.85 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 100.94 रुपये प्रति लीटर है। बता दें कि पिछले वर्ष 4 नवंबर के बाद से इन दोनों ईंधन के मूल्य में कोई वृद्धि नहीं की गई थी। सरकार के राजनीतिक विरोधियों का आरोप था कि पांच राज्यों के चुनाव के कारण मोदी सरकार ने तेल कंपनियों को मूल्य बढ़ाने से रोक रखा था। अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव 112 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद रविवार को तेल कंपनियों ने डीजल के थोक खरीदारों के लिए मूल्य में 25 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। तेल डीलरों का कहना है कि खुदरा मूल्य में धीरे-धीरे वृद्धि की जाएगी।

जानिए आपके शहर में कितना है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको ऋक्कऔर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा। बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं।

इन राज्यों में 100 रुपये के पार पेट्रोल का भाव

बता दें कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पेट्रोल का भाव 100 रुपये से ऊपर चल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत सबसे अधिक है।

महंगाई की मार से दुनिया पस्त: भारतीयों की जेब का बोझ बढ़ा, तो अमेरिका-ब्रिटेन समेत दूसरे देशों का भी हाल-बेहाल

नई दिल्ली। महंगाई ने दुनियाभर के देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है। इसकी मार से भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के देशों पर असर पड़ा है। साल 2022 की शुरुआत तमाम देशों के लिए बेहद खराब साबित हुई है। जहां बीते साल 2021 में महंगाई के हल्के-हल्के झटके लगे थे, तो 2022 में जिस प्रकार से भू-राजनैतिक हालात बदले हैं, महंगाई का जोरदार झटका भारत समेत अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी समेत अन्य देशों को लगा है।

पश्चिमी दुनिया ने दशकों बाद किया अनुभव

जिस हिसाब से दुनिया भर में महंगाई बढ़ी है, पश्चिमी देशों के लिए हैरान करने वाली रही। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिमी देशों ने दशकों बाद ऐसी महंगाई का अनुभव किया है। बीती कुछ तिमाहियों में तो इसमें तेजी से इजाफा देखने को मिला है। इसकी शुरुआत जिंस की कीमतों में तेजी के साथ हुई। खासतौर पर तेल और धातुओं के दाम में बढ़ोतरी से। 2020 में कोविड की दस्तक के बाद कमोडिटी की काफी हद तक कम रही थीं। लेकिन, 2021 में इसमें कुछ उतार-चढ़ाव आया और 2022 में तो एकदम से इनके दाम आसमान छूने लगे।

आपूर्ति में व्यवधान का पड़ा असर: 2021 की बात करें तो कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण लागू तमाम प्रतिबंधों से आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई, जिसका सीधा असर कीमतों पर पड़ा। यह सिलसिला जो शुरू हुआ तो अब तक बदस्तूर जारी है। दरअसल, कोरोना महामारी का प्रभाव कम होने के बाद फरवरी के अंत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमले का एलान कर दिया। युद्ध शुरू होने के साथ ही दुनियाभर के निवेशकों की धारणाओं पर नकारात्मक असर हुआ और शेयर बाजार धराशाई हो गए। वहीं अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान पर पहुंच गई। सप्लाई चेन प्रभावित होने के कारण अन्य चीजों पर भी इसका असर पड़ा।

भारत में खुदरा महंगाई 6.95 फीसदी पर: सबसे पहले बात करते हैं भारत की, तो बता दें कि मार्च 2022 में देश में खुदरा महंगाई 17 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। यह 6.95 फीसदी की दर से बढ़ी है। इससे पहले अक्तूबर 2020 में खुदरा महंगाई 7.61 फीसदी की दर से बढ़ी थी। वहीं इससे पिछले यानी फरवरी महीने की बात करें तो यह आंकड़ा 6.07 फीसदी था। मार्च में खाद्य वस्तुओं के दाम 7.47 प्रतिशत बढ़े। कपड़े और फुटवियर के दाम 9.40 फीसदी बढ़े, तो ईंधन और बिजली की कीमतों में 7.52 फीसदी का इजाफा हुआ। वहीं अन्य चीजों पर महंगाई सालाना आधार पर 7.02 फीसदी और मकानों के दाम 3.38 फीसदी की दर से बढ़ी है। देश में खाद्य तेलों पर महंगाई 18.79 फीसदी, तो सब्जियों पर 11.64 फीसदी की दर से बढ़ी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध ने बिगाड़े हालात

अमेरिका और अन्य विकसित देशों में घरों की कीमतों पर भी महंगाई का जो असर दिखाई दिया वो चौंकाने वाला है। दरअसल, कोरोना ने अचल संपत्तियों में निवेश को बढ़ाने का काम किया। इसके चलते के साथ मकानों की कीमत में इजाफा हुआ। वहीं दूसरी ओर रूस और यूक्रेन में जारी जंग ने ऐसा असर डाला कि भारत समेत दुनियाभर में रसोई से लेकर सड़क पर निकलने तक के लिए जनता की जेब पर बोझ बढ़ गया। कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस से लेकर एल्युमिनियम, पैलेडियम, निकल, पोटाश ही नहीं, बल्कि गेंहू, पेट्रोल-डीजल, खाद्य तेलों समेत अन्य जरूरी चीजों की कीमतों में 30 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला।

अमेरिका में महंगाई उच्चतम स्तर पर

अमेरिका में करीब चार दशकों के बाद लोगों ने इतनी महंगाई देखी है। यहां वर्तमान हालात की बात करें तो यूएस में महंगाई 8.5 फीसदी के शिखर पर पहुंच चुकी है। पहले कोरोना की मार और अब रूस-यूक्रेन युद्ध से बिगड़े हालातों ने यूएस में भी महंगाई को और बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। कुल मिलाकर अमेरिका में महंगाई खाद्य वस्तुओं और बिजली की कीमतों में जोरदार तेजी से सबसे अधिक प्रभावित दिखी है। महीने दर महीने इजाफे के साथ खाद्य वस्तुओं की कीमतें अमेरिका में 10 फीसदी चढ़ गई हैं, तो बिजली की कीमतों में 32 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। एनएफआईबी स्माल बिजनेस सर्वे के मुताबिक, देश में 31 फीसदी व्यापारियों ने महंगाई को अपनी सबसे महत्वपूर्ण समस्या माना है।

ट्विटर का बड़ा दांव: एलन मस्क के मंसूबे को मात देने के लिए अपनाया प्वॉइजन पिल प्लान

नई दिल्ली। बीते गुरुवार को जब दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने ट्विटर को 100 फीसदी खरीदने का प्रस्ताव दिया, तो इससे न केवल आम लोग, बल्कि ट्विटर बोर्ड भी सकते में आ गया। आनन-फानन में बोर्ड मीटिंग बुलाई गई और इस मामले पर चर्चा शुरू कर दी गई। अब एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क के मंसूबे को मात देने के लिए ट्विटर ने कमर कस ली है और एक नया तरीका अपनाया है। तो आइए जानते हैं क्या है कंपनी का प्लान... रिपोर्ट के मुताबिक, ट्विटर के इस नए और बड़े दांव की बात करें तो, कंपनी ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म में 9.2 फीसदी हिस्सेदार एलन मस्क की अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की क्षमता को सीमित करने के लिए प्वॉइजन

पिल प्लान अपनाया है। ट्विटर की ओर से कहा गया कि यह प्लान कंपन के शेयरधारकों को छूट पर अधिक शेयर बेचकर कंपनी में 15 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति या समूह को रोकने की क्षमता रखता है। प्वॉइजन पिल प्लान, दरअसल, किसी कंपनी द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली एक रक्षा रणनीति है, जिससे कि किसी अधिग्रहणकर्ता कंपनी द्वारा संभावित विद्रोहपूर्ण टेकओवर को रोका जा सकता है। कंपनी इस तरकीब का उपयोग संभावित अधिग्रहणकर्ता कंपनी के सामने उन्हें कम आकर्षक दिखाने के लिए करती है। काम की बात करें तो प्वॉइजन पिल आमतौर पर काफी प्रभावी और अपने नाम की तरह यानी जहर की गोली के समान होता है।

एलन मस्क के लिए बड़ी मुश्किल

ट्विटर की ओर से उठाया गया यह नया कदम एलन मस्क के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्विटर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने जिस प्वॉइजन पिल नाम की एक सीमित समय वाले शेयरहोल्डर राइट्स तरीके को अपनाया है, वो दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति के ट्विटर को टेकओवर करने की इच्छा के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है। ट्विटर बोर्ड ने भी इस संबंध में कहा है कि कंपनी को टेकओवर करने के लिए कानूनी रूप से गैर-बाध्यकारी प्रस्ताव आने के बाद इस योजना को अपनाया है।

श्रीलंका आर्थिक संकट: पांच दिन बंद रहेगा देश का स्टॉक मार्केट

नई दिल्ली। श्रीलंका इतिहास के सबसे बुरे आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहा है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो चुका है और चीन समेत कई देशों के कर्ज का पहाड़ खड़ा हो गया है। हालात ये हैं कि बीते दिनों सरकार ने विदेशी कर्ज चुकाने के मामले में अपने हाथ खड़े कर दिए। वहीं शनिवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, देश के स्टॉक मार्केट में पांच दिन कोई काम-काज नहीं होगा।

18 से 22 अप्रैल तक कारोबार नहीं: रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंकाई शेयर बाजार अगले हफ्ते पांच दिन बंद रहेंगे। श्रीलंका के सिक्योरिटीज कमीशन ने 18 अप्रैल से 22 अप्रैल तक कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज को बंद रखने का आदेश जारी किया है। रिपोर्ट की मानें तो ये बड़ा फैसला इसलिए लिया गया है कि ताकि निवेशकों को देश की आर्थिक स्थिति को समझने और उसे स्वीकार करने का समय मिल सके। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ऑफ श्रीलंका (एसईसीएस) ने अपने बयान में कहा कि स्टॉक एक्सचेंज के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर और सभी शेयरहोल्डरों ने शेयर बाजार को अस्थायी रूप से कुछ दिनों के लिए बंद करने की मांग की थी।

एसईसीएस ने बयान में कही ये बात: एसईसीएस ने बयान में कहा कि जिन आधार पर बाजार को बंद करने की मांग की थी, हमने उन सभी पर सावधानीपूर्वक गहन विचार-विमर्श किया और देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति के बाजार पर पड़ने वाले असर का मूल्यांकन किया है। बयान में कहा गया कि इस मूल्यांकन में इस बात पर गौर किया गया कि क्या देश में पनपे इन हालातों में भी शेयरों में ट्रेडिंग व्यवस्थित और निष्पक्ष तरीके से हो सकेगी।

एचडीएफसी बैंक के शुद्ध लाभ में 23 फीसदी इजाफा, उछलकर 10055 करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने चौथी तिमाही के नतीजों को घोषित कर दिया है। परिणामों के अनुसार, बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 22.8 फीसदी बढ़ा है। इस तेजी के साथ यह उछलकर 10,055.2 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बैंक ने बताया कि जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में करों के लिए 2,989.5 करोड़ रुपये का प्रावधान करने के बाद उसका शुद्ध लाभ इस स्तर पर पहुंचा है। गौरतलब है कि जनवरी-मार्च 2021 की चौथी तिमाही में बैंक ने 8,186.50 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। परिणामों के मुताबिक,

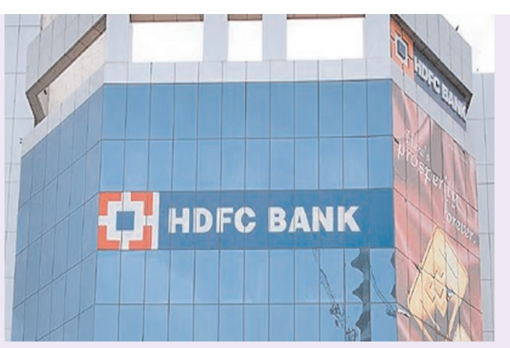

वित्त वर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही में एचडीएफसी बैंक की कुल एकल आय भी बढ़कर 41,085.78 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 38,017.50 करोड़ रुपये रही थी। इसके अलावा आलोच्य अवधि में बैंक की शुद्ध ब्याज आय समेत अन्य आय भी 7.3 फीसदी बढ़कर 26,509.80 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एक साल पहले की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध राजस्व 24,714.10 करोड़ रुपये रहा था। पिछली तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय एक साल पहले की तुलना में 10.2 फीसदी बढ़कर 18,872.70 करोड़ रुपये रही।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)